लखनऊ

शनिवार 28 फरवरी, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 189

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"जीवन खूबसूरत तब बनता है जब जीत की उम्मीद, हार के डर से ज़्यादा मजबूत हो जाती है।"

TODAY WEATHER

DAY 20° Hi

NIGHT 10° Low

दिल्ली शराब नीति केस, केजरीवाल-सिसोदिया बरी: कोर्ट बोला- सीबीआई ने साजिश रचने की कोशिश की

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने शुक्रवार को कथित शराब घोटाला केस में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया समेत सभी 23 आरोपियों को बरी कर दिया। अदालत ने सीबीआई अधिकारी के खिलाफ भी विभागीय जांच की सिफारिश की है। हालांकि, सीबीआई ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देने का फैसला लिया है।

जानकारी के अनुसार, सीबीआई ने ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ तुरंत हाईकोर्ट में अपील करने का फैसला किया है। सीबीआई का मानना है कि जांच के कई महत्वपूर्ण पहलुओं को या तो अनदेखा किया गया है या उचित तरीके से विचार नहीं किया गया है। इससे पहले, शुक्रवार को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने अपना फैसला देते हुए कथित शराब घोटाला से जुड़े सीबीआई केस में सभी 23 आरोपियों को बरी किया। कोर्ट ने जांच में कमियों के लिए सीबीआई को कड़े शब्दों में फटकार लगाई और कहा कि आबकारी नीति में कोई बड़ी साजिश या क्रिमिनल इरादा नहीं था। कोर्ट ने सीबीआई की चार्जसीट पर सवाल उठाए और कहा कि इसमें कई कमियां हैं, जिनका किसी गवाह या बयान से कोई सबूत नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि अभियोजन पक्ष का मामला न्यायिक जांच में टिक नहीं पाया, क्योंकि सीबीआई ने महज अनुमान के आधार पर साजिश की कहानी गढ़ने की कोशिश की। सीबीआई की तरफ से कंफेशनल स्टेटमेंट की कॉपी जमा नहीं किए जाने पर न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने नाराजगी व्यक्त की। चार्जशीट में 'साउथ लॉबी' शब्द के इस्तेमाल पर भी अदालत ने आपत्ति जताई। इसके अलावा, राउस एवेन्यू कोर्ट ने शराब नीति के कथित घोटाले मामले में सीबीआई की तरफ से जांच अधिकारी (आईओ) के खिलाफ विभागीय जांच की अनुशंसा की।

क्या है पूरा मामला?

यह मामला दिल्ली सरकार की 2021-22 की आबकारी (शराब) नीति से जुड़ा है, जिसमें भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए थे। दिल्ली के मुख्य सचिव रहे नरेश कुमार की रिपोर्ट के बाद उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। बाद में सीबीआई ने मुकदमा दर्ज करते हुए जांच शुरू की थी।

दिल्ली शराब नीति मामले में हाई कोर्ट जाएगी सीबीआई

दिल्ली शराब नीति मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) ने बड़ा कदम उठाते हुए निचली अदालत के फैसले के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट जाएगी। एजेंसी का मानना है कि इस मामले में पेश किए गए कई पुख्ता सबूतों और जांच के पहलुओं को फैसले में उचित स्थान नहीं मिला है, जिसके चलते अब ऊपरी अदालत से हस्तक्षेप की मांग की गई है। CBI ने ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ तुरंत हाईकोर्ट में अपील करने का फैसला किया है। एजेंसी का मानना है कि मामले जांच के कई पहलुओं को या तो नजरअंदाज किया गया है या उन पर ठीक से विचार नहीं किया गया है। बताते चलें कि दिल्ली की राउज एवेन्यू स्थित विशेष अदालत ने आबकारी नीति से जुड़े सीबीआई मामले में पूर्व अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया समेत सभी 23 आरोपियों को बरी कर दिया। विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) जितेंद्र सिंह ने कहा कि अभियोजन का मामला न्यायिक परीक्षण में टिक नहीं सका और किसी के खिलाफ प्रथमदृष्टया मामला नहीं बनता।

केजरीवाल पर भाजपा का निशाना, ईमानदारी पर भी उठाए सवाल

दिल्ली के कथित शराब घोटाले मामले में आम आदमी पार्टी के संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बड़ी राहत मिली है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने केजरीवाल और मनीष सिसोदिया समेत सभी 23 आरोपियों को बरी कर दिया है। कोर्ट के इस फैसले के बाद आप में खुशी की लहर है। इसी के साथ आप नेता भाजपा पर हमलावर हैं और सत्तारूढ़ दल पर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगा रही है। वहीं अब शराब नीति मामले में बरी किए जाने के बाद भाजपा नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि इस मामले को अभी और न्यायिक जांच का सामना करना पड़ सकता है। भाजपा सांसद और प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, अदालत ने सबूतों के अभाव में उन्हें बरी कर दिया है। यह एक तकनीकी मुद्दा है।

एक साथ चार विधानसभाओं से शुरू होगी भाजपा की 'परिवर्तन यात्रा', अमित शाह दिखाएंगे हरी झंडी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ने राज्यभर में 'परिवर्तन यात्रा' निकालने की तैयारी तेज कर दी है। पार्टी के मुताबिक, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 2 मार्च को इस यात्रा को औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाएंगे। प्रदेश भाजपा से मिली जानकारी के अनुसार, अमित शाह 1 मार्च को रात करीब 10 बजे कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसके बाद वे प्रदेश नेताओं के साथ बैठक कर चुनावी रणनीति और संगठनात्मक तैयारियों की समीक्षा करेंगे।

रायदिघी से औपचारिक शुरुआत

भाजपा नेताओं के अनुसार, 2 मार्च की सुबह दक्षिण 24 परगना जिले के रायदिघी विधानसभा क्षेत्र से परिवर्तन यात्रा का औपचारिक शुभारंभ होगा। यहां अमित शाह कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संबोधित करेंगे। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इसी दिन राज्य के चार अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों से चार समानांतर परिवर्तन यात्राएं एक साथ शुरू की जाएंगी। इनमें—

* कूचबिहार जिले का कूचबिहार दक्षिण,
* नदिया जिले का कृष्णनगर दक्षिण,
* पश्चिम बर्दवान जिले का कुल्टी,
* पश्चिम मेदिनीपुर जिले का गरबेता शामिल हैं।

भाजपा का दावा है कि ये यात्राएं राज्य के विभिन्न हिस्सों से गुजरते हुए जनता तक "परिवर्तन का संदेश" पहुंचाएंगी।

अनुमति को लेकर विवाद, हाईकोर्ट में याचिका

इधर, राज्य पुलिस ने परिवर्तन यात्रा के लिए अनुमति नहीं दी है। इसके बाद भाजपा ने कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। पार्टी ने 22 फरवरी को संबंधित थानों में अनुमति के लिए आवेदन दिया था, लेकिन मंजूरी नहीं मिलने पर अदालत में याचिका दायर की गई। सूत्रों के अनुसार, जस्टिस शुभ्रा घोष की अदालत में मामले की सुनवाई होने की संभावना है। भाजपा का कहना है कि वह कानूनी प्रक्रिया के तहत अनुमति हासिल कर कार्यक्रम को सफल बनाएगी। राज्य की सियासत में इस घोषणा के बाद हलचल तेज हो गई है। अब सबकी नजरें अदालत के फैसले और अमित शाह के प्रस्तावित दौरे पर टिकी हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पीएम मोदी और शाह पर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग करने वाले वकील को फटकार लगाई

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग करने वाले एक वकील की फटकार लगायी है। न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने शुक्रवार को इस मामले में सुनवाई के दौरान चेतावनी दी कि किसी कानून या विचारधारा से असहमति को आपराधिक अपराध में नहीं बदला जा सकता। न्यायालय ने पूछा, 'अगर संसद कोई अवैध कानून पारित करती है, तो क्या यह अपराध है?' अदालत ने स्पष्ट किया कि इसका समाधान संवैधानिक चुनौती में है, न कि कानून निर्माताओं पर मुकदमा चलाने में। जब मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ को पता चला कि उक्त वकील 1995 से प्रैक्टिस कर रहे हैं, तो उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई।

4 दिन छुट्टी, होली से पहले सैलरी... यूपी में कर्मचारियों के लिए सीएम योगी का ऐलान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। साल 2026 के होली के त्योहार के पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छुट्टी और सैलरी को लेकर कई बड़े ऐलान किए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी कर्मचारियों का वेतन होली से पहले ही दिया जाना चाहिए। सीएम ने कहा कि आउटसोर्सिंग, संविदाकर्मी, सफाईकर्मी आदि सभी कर्मियों का वेतन होली से पहले ही दिया जाना सुनिश्चित करें।

सीएम योगी ने कहा कि इसको लेकर किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शनिवार दिनांक 28 फरवरी को कार्यदिवस घोषित किया गया। सभी कर्मचारियों को 3 मार्च का अवकाश मिलेगा। यहां पर होली की छुट्टी 2, 3, 4 मार्च रहेगी। सीएम ने कहा कि आज से 5 दिन वाले कार्यालय 5 दिन बंद रहेंगे सरकारी कार्यालय मुख्यमंत्री ने ऐलान किया।

समय पर सैलरी मिलने से परेशानी होगी दूर

सीएम योगी के इस फैसले के बाद सबको साथ लेकर चलने वाले तरीके से, कम सैलरी वाले कर्मचारियों को सबसे ज्यादा परेशानी देने वाली देरी की पिछली शिकायतों को दूर किया गया है। इससे यह पक्का होता है कि परिवार बिना किसी टेंशन के त्योहार मना सकें। सीएम योगी का निर्देश है कि अधिकारियों को किसी भी तरह की चूक के लिए जीरो टॉलरेंस का सामना करना पड़ेगा। होली जैसे कल्चरल हाई पॉइंट्स के दौरान एक जिम्मेदार एडमिनिस्ट्रेशन के सीएम के विजन को बनाए रखने के लिए सख्ती से लागू करने का वादा किया गया है।

'ऐसी चीजें बनाई जाएं जो खुशी और शांति को बढ़ावा दें', फिल्म पर रोक के बाद बोलीं प्रियंका गांधी

वायनाड (केरल)। फिल्म द केरल स्टोरी 2 पर केरल हाईकोर्ट ने रोक लगा दी। कोर्ट के आदेश के बाद फिल्म 27 फरवरी को रिलीज नहीं हो पाई। अब इस पर वायनाड सांसद और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की भी प्रतिक्रिया आई है। केरल पहुंची प्रियंका गांधी ने कहा कि हालांकि लोगों को अपनी बात कहने की अनुमति दी जानी चाहिए, लेकिन बेहतर होगा कि ऐसी चीजें बनाई जाएं जो लोगों के बीच खुशी और शांति, प्रेम और कल्याण को बढ़ावा दें। वायनाड सांसद प्रियंका गांधी तीन दिन के दौरे पर केरल आई हैं, जहां उन्होंने 'द केरल स्टोरी 2-' की रिलीज पर कोर्ट के स्टे के बारे में मीडिया के सवालों का जवाब दे रही थीं। अपने बयान में प्रियंका गांधी ने कहा, 'मुझे लगता है कि लोगों को अपनी बात कहने की इजाजत होनी चाहिए। ऐसे माहौल में जो एक-दूसरे के प्रति गुस्से और नफरत से भरता जा रहा है। अगर आप वायनाड को लें तो ये लोग कितनी खूबसूरती से एक साथ रहते हैं, कैसे त्योहार मनाते हैं, कैसे एक-दूसरे की मदद करते हैं और सब कुछ।' उन्होंने आगे कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप यहां किस धर्म या जाति से हैं। यह केरल की स्वभाव है और मुझे लगता है कि यही इस जगह की खूबसूरती है। हम इसके बारे में बात क्यों नहीं करते और इसे क्यों नहीं दिखाते। क्यों न पूरा देश इस उदाहरण से सीखे। कांग्रेस सांसद ने कहा कि यहां चोरालमाला-मुंडक्कई भूस्खलन में सैकड़ों लोगों की जान जाने के बाद, सभी ने एक-दूसरे की मदद की और धर्म या जाति की परवाह किए बिना ऐसा करना जारी रखा है। बता दें कि केरल हाई कोर्ट ने गुरुवार को फिल्म 'द केरल स्टोरी 2- गोज बियॉन्ड' की रिलीज पर अंतरिम रोक लगा दी है। हाई कोर्ट ने फिल्म की रिलीज पर 15 दिनों के लिए रोक लगाई है। कोर्ट ने कहा कि पहली नजर में ऐसा लगता है कि सेंसर बोर्ड ने फिल्म को सर्टिफिकेट देते हुए सोच-समझकर काम नहीं लिया। जस्टिस बेचू कुरियन थॉमस ने फिल्म की रिलीज को चुनौती देने वाली दो याचिकाओं पर यह आदेश दिया। फिल्म 27 फरवरी को रिलीज होने वाली थी।

केजरीवाल और सिसोदिया के बरी होने से जांच एजेंसियों की मनमानी उजागर हुई : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को कहा कि भ्रष्टाचार के एक मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आप) के अन्य नेताओं को अदालत द्वारा बरी किए जाने से जांच एजेंसियों की 'मनमानी' उजागर हुई है। मुफ्ती ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "आज के फैसले में केजरीवाल, (पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष) सिसोदिया और कविता (भारत राष्ट्र समिति की निलंबित नेता) को आबकारी शुल्क नीति मामले में बरी किए जाने से जांच एजेंसियों की मनमानी उजागर होती है।" उन्होंने कहा कि जब एजेंसियों को राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल किया जाता है, तो न्याय सबसे पहले शिकार बनता है और सच्चाई 'सालों के दर्द और आंसुओं' के बाद ही सामने आती है।

यूपी-बिहार से लेकर एमपी और राजस्थान तक पारा 30 के पार, पहाड़ी राज्यों में बारिश-बर्फबारी की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। फरवरी के आखिरी सप्ताह में मौसम में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है। तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोत्तरी के साथ गर्मी अपना असर दिखाना शुरू कर रही है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और हरियाणा के कई शहरों में तापमान 30°C के पार चला गया है। वहीं, आज कई राज्यों में बारिश का भी अलर्ट जारी है। आइए जानते हैं देशभर के मौसम का हाल...

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में अधिकतम तापमान 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। गुजरात और महाराष्ट्र के तापमान में भी इजाफा देखने को मिलेगा। इस बीच मौसम विभाग ने आज, यानी 27 फरवरी को 6 राज्यों में बारिश और बर्फबारी का अलर्ट जारी किया है।

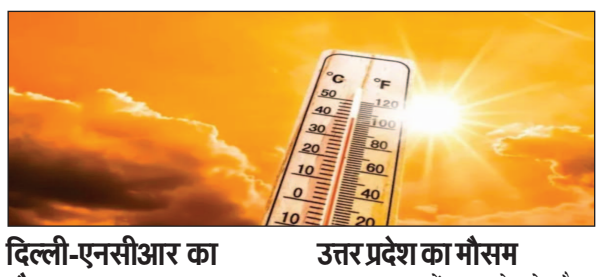

दिल्ली-एनसीआर का मौसम

अगर बात करें दिल्ली एनसीआर के मौसम की तो यहां तेज हवाओं के कारण लोगों को प्रदूषण से काफी हद तक राहत मिली है। दिन में धूप खिली रहेगी। यहां 27 फरवरी को अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम 15 डिग्री तथा 28 फरवरी को अधिकतम 32 डिग्री और न्यूनतम 16 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

उत्तर प्रदेश का मौसम

अगर बात करें उत्तर प्रदेश के मौसम की तो फिलहाल यहां बारिश की कोई संभावना नहीं है। अधिकांश जिलों में धूप खिलेगी। तापमान में बढ़ोत्तरी जारी रहेगी। यूपी के जिन जिलों में पारा बढ़ने वाला है, उनमें कानपुर,मेरठ, लखनऊ, आगरा, अलीगढ़, इटावा, मैनपुरी, मथुरा, अमेठी, आजमगढ़, अमरोहा, बागपत, बहराइच, बलिया, बलरामपुर शामिल हैं। कई जिलों में तापमान 30 डिग्री के पार पहुंच चुका है।

बिहार का मौसम

अगर बात करें बिहार के मौसम की तो यहां भी बारिश की कोई संभावना नहीं है। यहां तापमान में वृद्धि के साथ गर्मी का असर देखने को मिल सकता है। राजधानी पटना में आज अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। 31.8 डिग्री सेल्सियस के साथ कैमूर में सर्वाधिक तापमान दर्ज किया गया।

हिमाचल प्रदेश का मौसम

अगर बात करें पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड के मौसम की तो यहां 27 और 28 फरवरी को बारिश और बर्फबारी की चेतावनी जारी की गई है। हिमाचल के जिन जिलों में बारिश की संभावना है उनमें बिलासपुर, शिमला, मंडी, सोलन और कांगड़ा जिले शामिल हैं। मनाली और आसपास के ऊंचाई वाले हिस्सों में बर्फबारी की संभावना है। जम्मू-कश्मीर में भी आज हल्की वर्षा या बर्फबारी हो सकती है।

पूर्वोत्तर राज्यों के मौसम का हाल

इसके अलावा 27 और 28 फरवरी को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, तमिलनाडु, पुडुचेरी, तटीय आंध्र प्रदेश और केरल में भी 28 फरवरी तक गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है।

देश में आतंकी हमले का खतरा : कश्मीर-दिल्ली में रेकी, आरडीएक्स का अलर्ट, सुरक्षा एजेंसियों को मिला बड़ा इनपुट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में आतंकी बड़ा हमला करने की फिराक में हैं। कश्मीर से लेकर दिल्ली तक कई धार्मिक स्थल निशाने पर हैं। वीआईपी स्पॉट और सेना भी टारगेट लिस्ट में हैं। फरवरी में महज 20 दिन के अंदर सुरक्षा एजेंसियों को इसके इनपुट मिले हैं। इसके मुताबिक, 10 फरवरी को होने वाला बड़ा हमला टाला जा चुका है, लेकिन खतरा अब भी बरकरार है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद से आतंकी एक्टिविटीज बढ़ी हैं। आतंकियों का नेटवर्क पाकिस्तानी कैंपों और बांग्लादेश रूट से ऑपरेट हो रहा है। आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा कश्मीर और दिल्ली के आसपास हमले की तैयारी में है। आतंकियों के पास 15-20 किलो क्रष्ठङ्क और ढ्वश्वष्ठ होने के इनपुट हैं। 5 आतंकी पाकिस्तान से भारत में घुस चुके हैं। कुछ स्लीपर सेल बांग्लादेश लिंक से ऑपरेट कर रहे हैं। 8 फरवरी को जम्मू-कश्मीर में खुफिया एजेंसियों को इनपुट मिला, जो लश्कर-ए-तैयबा की धमकी से जुड़ा था। इसके मुताबिक, लश्कर के आतंकी ढ्वश्वष्ठ ब्लास्ट की तैयारी में हैं। ये ब्लास्ट कश्मीर के नरबल से पट्टन या कुंजेर से नरबल के रास्ते में हो सकता है। इस धमाके के लिए आतंकी 15 से 20 किलो क्रष्ठङ्क का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये हमला सेना के काफिले पर भी हो सकता है। 18 फरवरी के इनपुट के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर में जैश-ए-मोहम्मद ने ओवरग्राउंड नेटवर्क एक्टिव कर दिया है। इसके लोगों ने हाल ही में जम्मू से कश्मीर को जोड़ने वाली काजीगुंड टनल की रेकी की है। इसमें 10 आतंकियों के दो अलग-अलग ग्रुप साजिश रच रहे हैं।

संक्षेप

एआईएडीएमके से बाहर किए गए पन्नीरसेल्वम डीएमके में शामिल, सीएम स्टालिन ने किया स्वागत

चेन्नई। एआईएडीएमके से बाहर किए गए नेता पन्नीरसेल्वम शुक्रवार को मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की मौजूदगी में डीएमके में शामिल हो गए। पन्नीरसेल्वम को एआईएडीएमके के अंदरूनी सत्ता संघर्ष के दौरान पार्टी से बाहर कर दिया गया था। उन्होंने एआईएडीएमके में फिर से शामिल होने के लिए कई बार प्रयास किए, लेकिन पार्टी के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने उनके प्रयासों को अस्वीकार कर दिया था। पन्नीरसेल्वम के डीएमके में शामिल होने पर मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री और प्रिय मित्र ओ. पन्नीरसेल्वम ने अपने मातृ संगठन डीएमके में फिर शामिल हो गए हैं। उनका स्वागत है। द्रविड़ आंदोलन के महान नेता के नाम पर उन्होंने द्रविड़ आंदोलन की नीति 'काकुम नाम परियकम' का अनुसरण किया है। सीएम स्टालिन ने कहा कि 2026 का विधानसभा चुनाव तमिलनाडु और फासीवादी भाजपा के बीच एक लोकतांत्रिक लड़ाई है। इसे समझते हुए विभिन्न लोकतांत्रिक ताकतें संगठन में शामिल हो रही हैं। हमारे साथ जुड़े मित्र ओ. पन्नीरसेल्वम दयालु, विनम्र और शालीन हैं। उन्हें शुभकामनाएं। तमिलनाडु की जीत हो। पिछले साल 31 जुलाई को पदयात्रा के दौरान पन्नीरसेल्वम ने मुख्यमंत्री स्टालिन से मुलाकात की थी। उसी शाम उनके आवास पर जाकर उनका हालचाल पूछा था। इस मुलाकात से राजनीतिक गठबंधन में संभावित बदलाव की अटकलें तेज हो गई थीं। इसके बाद 20 फरवरी को हाल ही में हुए अंतरिम बजट सत्र के अंतिम दिन पन्नीरसेल्वम ने मुख्यमंत्री से दोबारा मुलाकात की, जिससे संभावित बदलाव की अटकलें और भी बढ़ गई थीं।

दुश्मन की पनडुब्बी का काल 'अंजदीप' नौसेना में शामिल, 15 और पोत मिलेंगे

नई दिल्ली। शुक्रवार को भारतीय नौसेना में एक नया युद्धपोत 'अंजदीप' शामिल किया गया। नौसेना प्रमुख दिनेश के त्रिपाठी ने इसे यह अत्यंत गर्व का क्षण बताया। यह स्वदेशी रूप से निर्मित पनडुब्बी रोधी उथले जल का युद्धपोत है। यह युद्धपोत दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाकर उन्हें नाकाम करने में सक्षम है। युद्धपोत अंजदीप 'डॉल्फिन हंटर' के रूप में कार्य करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य तटीय क्षेत्रों में दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाना, उनका पीछा करना और उन्हें निष्क्रिय करना है। यह पोत स्वदेशी, अत्याधुनिक पनडुब्बी रोधी हथियारों और सेंसर पैकेज से सुसज्जित है। इसमें हल माउंटेड सोनार 'अभयÓ भी शामिल है। यही नहीं, यह भारतीय युद्धपोत हल्के टॉरपीडो और पनडुब्बी रोधी रॉकेटों से भी लैस है। शुक्रवार को चेन्नई में इसे नौसेना में शामिल किया गया। इस अवसर पर नौसेना प्रमुख ने बताया कि वर्ष 2026 में लगभग 15 और पोत शामिल करने की योजना है, जो हम अब तक की सर्वाधिक सम्मिलन दर होगी। वहीं वर्ष 2035 तक भारतीय नौसेना का लक्ष्य 200 से अधिक पोतों वाली नौसेना बनने का है।

दो बच्चों की माँ से दुष्कर्म एवं गर्भपात कराने का आरोपी सिपाही भेजा गया जेल

डायल-112 का सिपाही आमिर फिरदौस खान खुद को कुंवारा बताकर कई महीनों से महिला का करता रहा यौन शोषण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। पति से अनबन होने के बाद दो बच्चों के साथ अलग रह रही महिला को प्रेम जाल में फंसाकर कई महीनो से दुष्कर्म करने एवं गर्भपात कराने समेत अन्य गम्भीर आरोपो से जुड़े मामले में बल्दीराय थाना क्षेत्र में तैनात डायल 112 के सिपाही आमिर फिरदौस खान उर्फ एएफ खान को गिरफ्तार कर बृहस्पतिवार को एसीजेएम कोर्ट में पेश किया गया। अदालत ने मामले में आरोपी सिपाही की रिमांड स्वीकार करते हुए उसे 10 मार्च तक न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया है। बल्दीराय थाने की एक गांव की रहने वाली महिला ने बल्दीराय थाना क्षेत्र में डायल 112 में तैनात सिपाही आमिर फिरदौस खान के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए स्थानीय थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ति महिला के आरोप के मुताबिक उनके पति ने दूसरा विवाह कर लिया है और वह अपने दो बच्चों के साथ रहती है। आरोप के मुताबिक आरोपी सिपाही उनसे अक्सर मिलने आता था और उसने खुद को गैर शादीशुदा बताते हुए पीड़ति को शादी का झांसा देकर उनसे गत अक्टूबर महीने से दुष्कर्म करता रहा। आरोप के मुताबिक यौन शोषण की शिकार हुई महिला गर्भवती भी हो गई,जिसकी जानकारी मिलने पर आरोपी सिपाही ने उसे दवा खिलाकर गर्भपात करा दिया और मारा-पीटा एवं धमकी भी दिया। पीड़ति महिला की शिकायत पर बुधवार को आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया और मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक चारू निगम ने तत्काल प्रभाव से आरोपी सिपाही को निलंबित कर दिया। स्थानीय पुलिस ने मामले में चंदौली जिले के साहबगंज थाने के भोड़सर गांव के रहने वाले आरोपी सिपाही को गिरफ्तार कर उसे अदालत में पेश किया। जिसकी न्यायिक रिमांड स्वीकार करते हुए अदालत ने उसे जेल भेज दिया है।

क्षेत्र में स्मैक कारोबार पर नहीं लग रहा अंकुश, युवाओं का भविष्य दांव पर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। थाना क्षेत्र बल्दीराय में स्मैक का अवैध कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। बहुरावां, हैहनाखुर्द, बल्दीराय, भवानीगढ़, देवरा और बचनगंज समेत कई गांवों में खुलेआम स्मैक की बिक्री किए जाने की चर्चा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नशे का यह काला कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है और जिम्मेदार विभाग आंख मूंदे बैठे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि जिम्मेदार विभाग और पुलिस की मिलीभगत से यह अवैध धंधा फल-फूल रहा है। लगातार शिकायतों के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं होने से लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। आरोप है कि बहुरावां गांव की एक महिला ने स्मैक बिक्री की लिखित शिकायत भी की, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया। क्षेत्र में बढ़ते नशे के कारण युवा पीढ़ी बर्बादी की कगार पर पहुंच रही है। कई परिवार आर्थिक और सामाजिक रूप से टूट चुके हैं। ग्रामीणों का कहना है कि स्मैक की लत के चलते सैकड़ों घर बिखर चुके हैं और कई परिवार बेघर होने की स्थिति में पहुंच गए हैं। जनपद में नए पुलिस अधीक्षक के आगमन के बाद लोगों को उम्मीद जगी थी कि अवैध कारोबार पर लगाम लगेगी, लेकिन हालात में कोई खास सुधार नजर नहीं आ रहा है। प्रशासन की निष्क्रियता से क्षेत्रवासियों में निराशा व्याप्त है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि स्मैक के अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाए, साथ ही पुलिस और जिम्मेदार विभाग की भूमिका की निष्पक्ष जांच कर कार्यवाही की जाए, ताकि युवाओं का भविष्य सुरक्षित रह सके।

वृंदावन में श्रद्धालुओं का सैलाब, परिक्रमा मार्ग हुआ जाम ; सुरक्षाकर्मियों के छूटे पसीने

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। वृंदावन में रंगभरनी एकादशी पर सुबह से परिक्रमार्थियों को रैला परिक्रमा मार्ग पर नजर आया। जगह जगह पुलिस बल तैनात किया गया था। परिक्रमा मार्ग को नो व्हीकल जोन बनाया गया था। वॉच टॉवरों पर खड़ी पुलिस लोगों को माइक से दिशा निर्देश दे रही थी। किसी प्रकार से कोई बखेड़ा न खड़ा हो इस बात का विशेष ध्यान रखा जा रहा था। रंगभरनी एकादशी ने वृंदावन में रंगीली होली का आगाज हो जाता है। आज ठाकुर श्री बांकेबिहारी मंदिर में विशेष उत्सव मनाया जाता है। जहां एक ओर सेवायत श्रद्धालुओं पर रंग बरसाते हैं तो वहीं ठाकुर जी को 36 प्रकार के व्यंजनों को भोग लगाया जाता है।

आगामी मोस्ट प्रांतीय सम्मेलन 2026 का आयोजन बैंतीकला में

सुलतानपुर। निषाद भवन, विनोवापुरी में मोस्ट प्रांतीय सम्मेलन 2026 व मोस्ट कार्य-कार्यक्रम विस्तार हेतु मीटिंग की गई। मीटिंग में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अगला मोस्ट प्रांतीय सम्मेलन जून माह में विकास खण्ड प्रतापपुर कमैचा के बैंतीकला में किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजक रज्जन प्रसाद प्रदेश निर्णायक कमेटी मोस्ट, संचालन राम उजागिर यादव जनरल सेक्रेटरी मोस्ट, अध्यक्षता पूर्व कैबिनेट मंत्री दद्दू प्रसाद करेंगे। मीटिंग में निर्णय लिया गया कि यदि संविधान को मानने वाले राजनीतिक दलों द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव में टिकट दिया जाता है तो मोस्ट पदाधिकारियों को चुनाव लड़ाया जाए। मीटिंग में सर्वसम्मति से निशा बौद्ध को महासचिव महिला विंग व मौसम बौद्ध को जिला सह संयोजक चयनित किया गया। मीटिंग में मोस्ट निदेशक शिक्षक श्यामलाल निषाद "गुरूजी", प्रदेश कमेटी बाबू रज्जन प्रसाद, प्रदेश कमेटी इ. मनोरम वर्मा प्रदेश कमेटी मोस्ट सहित दर्जनों मोस्ट पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति 5 .0 अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। पुलिस द्वारा महिला सशक्तिकरण एवं सुरक्षा के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत जनपद के समस्त थानों की पुलिस टीमों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से पुलिस द्वारा चलाया गया जागरूकता अभियान पुलिस अधीक्षक सुलतानपुर चारू निगम के निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने व महिलाओं की सुरक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से जनपद के सभी थानों द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । इस अभियान के अंतर्गत सभी थानों की एंटीरोमियो टीमों द्वारा बाजारों, सार्वजनिक स्थलों, विद्यालयो पर जाकर बालिकाओं, महिलाओं एवं आमजन को मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत जानकारी दी गई, साथ ही महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम व उनके अधिकारों की रक्षा एवं आत्मरक्षा के उपायों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, चिकित्सा सहायता 108, बाल सहायता नंबर 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा पोर्टल की जानकारी देकर इन सेवाओं के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। महिलाओं/बालिकाओं व स्कूली छात्राओ को पम्पलेट प्रदान कर जागरूक किया गया।

एमिटी स्कूल की बड़ी लापरवाही, 6 घंटे बस में बंद रहा मासूम ; पिता बोले– बेटे का भविष्य दांव पर, इसलिए...

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। उत्तर प्रदेश में नोएडा के सेक्टर 44 स्थित एमिटी इंटरनेशनल स्कूल की लापरवाही से हर कोई हैरान है। जरा सोचिए...अगर कोई मासूम अकेले एक बस में सुनसान इलाके में करीब 6 घंटें तक बंद रहे, तो वो कितना डरा और सहमा होगा। बस के अंदर से अपनों को पुकारना, रोना, वो भी तब जब कोई भी सुनने वाला ना हो। इस घटना ने बच्चे के परिजनों समेत तमाम पैरेंट्स को झकझोर कर रख दिया। वहीं अब इस मामले में बच्चे के पिता का भी दर्द सामने आया है। उन्होंने नाम ना छापने की शर्त पर कहा है कि परिवार इस सदमें से उबरने की कोशिश कर रहा है लेकिन बेटे की सुरक्षा और भविष्य को लेकर गहरी चिंता है।

बच्चे के पिता ने भावुक होकर कहा कि गुरुवार सुबह सब कुछ सामान्य था। रोज की तरह उनका बेटा हंसते खेलते हुए स्कूल बस में बैठकर गया। किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि कुछ ही घंटे बाद पूरा परिवार दहशत में होगा। उन्होंने कहा कि जब दोपहर में पता चला कि बच्चा स्कूल नहीं पहुंचा तो हमारे पैरों तले से जमीन खिसक गई। हर मिनट 1 साल जैसा लग रहा था, फोन पर कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिल पा रहा था। हम सिर्फ यह सोच रहे थे कि हमारा बेटा कहां है और किस हालत में है।

25KM दूर पार्किंग में मिला बच्चा

परिजनों के मुताबिक, बस को स्कूल पहुंचने के बाद करीब 25 किलोमीटर दूर एक सुनसान पार्किंग यार्ड में खड़ा कर दिया गया। इसी बस में बच्चा सोता रह गया और स्टाफ ने बस की जांच नहीं की। काफी खोजने के बाद जब बच्चा मिला तो वह पसीने से भीगा हुआ था और घबराया हुआ था, वो लगातार रो रहा था। पिता ने बताया उसकी हालत देखकर दिल दहल गया। वह डरा हुआ था और बार-बार पूछ रहा था कि उसे बस में अकेला क्यों छोड़ दिया गया? पिता ने यह भी कहा कि इस मामले को ज्यादा उछालना नहीं चाहते, क्योंकि इससे बच्चे पर मानसिक प्रभाव पड़ सकता है। हम इस घटना को भूलना चाहते हैं, लेकिन जो हुआ वह किसी भी अभिभावक के लिए डरावना सपना है। हमारा बेटा भी छोटा है, हम नहीं चाहते कि उसकी पढ़ाई या मानसिक स्थिति पर इसका बुरा असर पड़े।

सिस्टम पर उठे गंभीर सवाल

इस घटना ने स्कूल के ट्रांसपोर्ट सिस्टम और निगरानी व्यवस्था पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। आमतौर पर बस से उतरते समय ड्राइवर और स्टाफ को हर सीट की जांच करनी होती है। वहीं स्कूल में उपस्थिति दर्ज होने पर तत्काल अभिभावकों को सूचित करना चाहिए। परिजनों का आरोप है कि क्लास रजिस्टर में 32 को अनुपस्थित दिखाया गया जबकि बस अटेंडेंस में उसकी उपस्थिति मौजूद थी। ऐसे में दोनों के बीच समन्वय की कमी साफ नजर आ रही। वहीं स्कूल की प्रिंसिपल रेणु सिंह ने कहा कि बस में आई तकनीकी खराबी के कारण वहां बदला गया था। सभी बच्चों को दूसरी बस में स्कूल लाया गया था, लेकिन यह जांच जारी है कि संबंधित बच्चा बस में कैसे रह गया। उन्होंने कि परिवहन प्रोटोकॉल की व्यापक समीक्षा शुरू कर दी गई है और जवाबदेही तय कर कार्रवाई की जाएगी।

"डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम की त्रैमासिक समीक्षा बैठक

स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पीएसआई इंडिया के सहयोग से चल रहा कार्यक्रम

आर्यावर्त संवाददाता

मुजफ्फरनगर। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से जिले में चलाये जा रहे "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम की त्रैमासिक समीक्षा बैठक शुक्रवार को एक स्थानीय होटल में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शैलेश जैन की अध्यक्षता में हुई। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शून्य से पांच साल तक के बच्चों की डायरिया के कारण होने वाली मृत्यु दर को शून्य करना और दस्त प्रबंधन को बढ़ावा देना है।

बैठक में पीएसआई इंडिया की कोमल एवं भारती ने कार्यक्रम सम्बन्धी गतिविधियों और प्रगति के बारे में विस्तार से चर्चा की। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिव्या वर्मा ने टीकाकरण, परिवार नियोजन की उपलब्धियों एवं कमियों पर समीक्षा कीI इसके साथ ही हेल्थ मैनेजमेंट इन्फार्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) रिपोर्टिंग फार्मेट पर विस्तृत रूप से समीक्षा की गयी I उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय कुमार ने डायरिया से बचाव के लिए बच्चों के पोषण और स्वच्छता पर खास ध्यान देने की बात कही। जिला चिकित्सालय की बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. गरिमा ने कहा कि डायरिया से बचाव के लिए शुरू के छह माह तक बच्चे को सिर्फ और सिर्फ मां का दूध पिलाएं। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. अल्का ने संचारी रोगों से बचाव के लिए घर और आस-पास साफ़-सफाई रखने की बात कही। यूनिसेफ की डीएमसी तरन्नुम ने टीकाकरण के संबंध में चर्चा की। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय शाही ने स्वच्छता के लिए किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला।

इस मौके पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जैन ने कहा कि डायरिया से बच्चों को पूरी तरह से सुरक्षित बनाने के लिए जन जागरूकता बहुत जरूरी है। डायरिया से जुड़ी भ्रांतियों को भी दूर किया जाना चाहिए। पीएसआई इंडिया की भारती ने कार्यक्रम की पिछले तीन माह की प्रगति के बारे में बताया I उन्होंने बताया कि पीएसआई इंडिया द्वारा जनपद के 56 प्रमुख स्थानों पर डायरिया से संबंधित दीवार लेखन किया गया है, ताकि जन-जन में जागरूकता की अलख जगाई जा सके। ग्रामीण एवं शहरी स्वास्थ्य इकाइयों पर आशा एवं एएनएम की बैठक में प्रतिभाग कर डायरिया पर चर्चा की जा रही है। इसके अलावा अतिरिक्त छाया ग्रामीण स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस सत्रों का सहयोगात्मक निरीक्षण किया जा रहा है। ग्रामीण एवं शहरी स्वास्थ्य इकाइयों पर ओआरएस व जिंक कार्नर बनाने का कार्य किया जा रहा है। 643 आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम, आशा संगिनी का डायरिया पर अभिमुखीकरण किया जा चुका है, 494 महिला आरोग्य समिति सदस्यो एवं 229 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का भी अभिमुखीकरण किया जा चुका है I डायरिया कार्ड, पम्पलेट आदि प्रचार सामग्री (आईईसी) का वितरण किया गया है। एचएमआईएस रिपोर्ट को लेकर भी विस्तृत रूप से चर्चा हुईI

बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग से बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) आयशा परवीन, शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि, जिला एफपीएलएमआईएस मैनेजर डॉ. दिव्यांक, एआरओ, शहरी और ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी ने भी प्रतिभाग किया। इस मौके पर पीएसआई इंडिया से शोभित सक्सेना आदि उपस्थित रहे।

शिकायत पर सौदेबाज़ी का खेल, विनियमित क्षेत्र के जेई पर गंभीर आरोप

सुल्तानपुर। विनियमित क्षेत्र कार्यालय में दर्ज होने वाली शिकायतों को लेकर चौंकाने वाले आरोप सामने आए हैं। आरोप है कि यहां तैनात अवर अभियंता उमेश चंद्र यादव शिकायतकर्ताओं के बजाय आरोपित पक्ष को पहले सूचना देकर मैनेज करने का मौका देते हैं।सूत्रों के अनुसार जिन लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज होती है उन्हें कथित रूप से यह बता दिया जाता है कि फलां व्यक्ति ने आपके खिलाफ शिकायत की है जाकर मामला निपटा लो। इससे शिकायतों की निष्पक्ष जांच पर सवाल खड़े हो रहे हैं। मामला उस समय और गंभीर हो गया जब जिलाधिकारी के आदेश पर उपजिलाधिकारी सदर ने दिनांक 01-12-2025 को विनियमित क्षेत्र के अवर अभियंता से तीन शिकायती पत्रों पर आख्या मांगी। ये शिकायतें विभागीय रजिस्टर क्रमांक 27, 28 और 29 में दर्ज होकर जेई को सौंपी गई थीं। आरोप है कि दोनों वरिष्ठ अधिकारियों के स्पष्ट आदेश के बावजूद संबंधित जेई ने निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया।

यूपी के इस गांव में नहीं होता होलिका दहन, महाभारत काल से जुड़ी है पूरी कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। सहारनपुर शहर से करीब 45 किलोमीटर दूर स्थित बरसी गांव अपनी एक अनोखी और हजारों साल पुरानी परंपरा के कारण हर साल होली के समय खास चर्चा में रहता है। यहां रंग-गुलाल के साथ होली तो मनाई जाती है, लेकिन गांव में होलिका दहन नहीं किया जाता।

ग्रामीणों के अनुसार यह परंपरा महाभारत काल से चली आ रही है। मान्यता है कि गांव के पश्चिमी छोर पर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में स्वयं भगवान शिव का वास माना जाता है और यदि गांव में होलिका दहन किया गया, तो उसकी अग्नि से भोलेनाथ के चरण झुलसते हैं। इसी आस्था के चलते बरसी गांव में आज तक होलिका दहन की रस्म नहीं निभाई जाती। गांव में होली का पर्व आपसी भाईचारे और पारंपरिक ढंग से मनाया जाता है, लेकिन होलिका दहन के लिए गांव की विवाहित बेटियां और महिलाएं पास के गांव में जाकर पूजन करती हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि बरसी गांव में स्थित शिव मंदिर महाभारतकालीन सिद्धपीठ माना जाता है, जहां प्राचीन काल से स्वयंभू शिवलिंग स्थापित है। इस मंदिर को लेकर भी कई लोककथाएं प्रचलित हैं। एक मान्यता के अनुसार मंदिर का निर्माण कौरव पुत्र दुर्योधन द्वारा कराया गया था। कथा के अनुसार जब सुबह के समय पांडव पुत्र भीम ने यह देखा कि मंदिर कौरवों द्वारा बनवाया गया है, तो उन्होंने अपनी गदा से मंदिर के मुख्य द्वार पर प्रहार कर उसका मुख पूर्व दिशा से मोड़कर पश्चिम दिशा की ओर कर दिया। इसी वजह से इस मंदिर को पश्चिमाभिमुख शिव मंदिर माना जाता है।

ग्रामीणों का विश्वास है कि यह बदलाव केवल स्थापत्य नहीं, बल्कि गांव की रक्षा और धार्मिक संतुलन से भी जुड़ा है। एक अन्य लोक मान्यता के अनुसार भगवान कृष्ण भी युद्ध के समय कुरुक्षेत्र जाते हुए इस गांव में रुके थे और इस स्थान को विशेष धार्मिक महत्व दिया था। समय के साथ इसी मान्यता से गांव का नाम बरसी पड़ गया।

ग्रामीणों का कहना है कि बदलते दौर के बावजूद बरसी गांव आज भी अपनी परंपरा पर अडिग है। होली के रंग और उल्लास के बीच यहां होलिका दहन न कर भगवान शिव के प्रति श्रद्धा प्रकट की जाती है। यही वजह है कि बरसी गांव की पहचान आज भी उस अनोखी मान्यता से जुड़ी है, जिसमें कहा जाता है कि होलिका दहन की आग से शिव के चरण झुलसते हैं, इसलिए इस गांव में होलिका नहीं जलाई जाती।

संकेतों की भाषा की चुनौतियों के खुली संभावनाओं की नई राह, अब खुलेंगे सरकारी नौकरी के रास्ते

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। आगरा में आयोजित उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय मूक-बधिर बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस प्रतियोगिता ने विशेष खिलाड़ियों के खेल भविष्य को नई दिशा दे दी है। डेफ स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश व आगरा एसोसिएशन ऑफ डेफ के तत्वावधान में हुए। इस आयोजन ने न केवल खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा का मंच दिया, बल्कि आयोजकों को भी कई अहम अनुभव सौंपे।

प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए मूक-बधिर खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ भागीदारी की। संकेतों की भाषा में संवाद,चेहरे के भावों में जोश और खेल के प्रति समर्पण ने दर्शकों को भावुक कर दिया। कई मुकाबले बेहद रोमांचक रहे और खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

कम्युनिकेशन गैप बना सबसे बड़ी चुनौती

हालांकि प्रतियोगिता के दौरान आयोजकों को कुछ दिक्कतों का सामना भी करना पड़ा। सबसे ज्यादा परेशानी कम्युनिकेशन को लेकर आई। सांकेतिक भाषा के जानकार स्वयंसेवकों की सीमित संख्या और सूचनाओं के सही समय पर संप्रेषण में आई बाधाओं के कारण भ्रम की स्थिति बनी रही।

एक उदाहरण ने इस कमी को उजागर कर दिया। पराजय के बावजूद कम्युनिकेशन गैप के चलते मिलते-जुलते नाम वाले खिलाड़ी की जगह दूसरे खिलाड़ी ने मैच खेल लिया। बाद में स्थिति स्पष्ट होने पर इसे दुरुस्त किया गया। हालांकि इस घटना ने आयोजकों को यह सिखा दिया कि भविष्य में बेहतर समन्वय, स्पष्ट घोषणा प्रणाली और प्रशिक्षित दुभाषियों की व्यवस्था अनिवार्य होगी।

अनुभव बना सबसे बड़ी उपलब्धि

आयोजन से जुड़े राष्ट्रीय खिलाड़ी विजय कुमार ने बताया कि यह प्रतियोगिता आगरा के लिए ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि पहली बार इतने बड़े स्तर पर मूक-बधिर खिलाड़ियों के लिए मंच तैयार किया गया, जिससे शहर के खिलाड़ियों को राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला। कहा कि कमियां जरूर रहीं, लेकिन यह हमारे लिए सीख है। अब लगातार शहर में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इससे मूक-बधिर खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास और प्रतिस्पर्धा का अवसर मिलेगा। खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी के अवसर भी मिल सकते हैं। ऐसे आयोजनों से उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच सकेंगे।

खिलाड़ियों में बढ़ा उत्साह

प्रतियोगिता के बाद खिलाड़ियों और अभिभावकों में खासा उत्साह देखने को मिला। कई अभिभावकों ने कहा कि यदि प्रशासन और समाज का सहयोग मिले तो आगरा मूक-बधिर खेलों का मजबूत केंद्र बन सकता है। इस आयोजन ने यह साबित कर दिया कि शारीरिक सीमाएं प्रतिभा की उड़ान को रोक नहीं सकतीं। चुनौतियों के बीच आयोजित यह प्रतियोगिता न केवल खेल का उत्सव बनी, बल्कि शहर के लिए एक नई शुरुआत भी साबित हुई। आने वाले समय में यदि नियमित आयोजन और बेहतर संसाधन मिलते हैं, तो आगरा के मूक-बधिर खिलाड़ी राज्य और देश स्तर पर नई पहचान बना सकते हैं।

जर्मनी प्रवास से लौटे उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, निवेश के नए अवसरों पर हुई सार्थक वार्ता

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। केशव प्रसाद मौर्य जर्मनी के सफल एवं उद्देश्यपूर्ण प्रवास के उपरांत आज भारत लौट आए। नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। समर्थकों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर तथा माल्यार्पण कर उनका अभिनंदन किया।

जर्मनी प्रवास के दौरान उपमुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों के उद्योग जगत के अग्रणी प्रतिनिधियों, निवेशकों एवं औद्योगिक संगठनों के साथ सार्थक और परिणामोन्मुख संवाद किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश की उद्योग अनुकूल नीतियों, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, उन्नत आधारभूत संरचना, विकसित हो रहे द्रुतगामी मार्ग जाल, बहु-आयामी परिवहन संपर्क व्यवस्था तथा पारदर्शी प्रशासनिक प्रणाली को विस्तार से प्रस्तुत किया।उन्होंने निवेशकों को आश्वस्त किया कि उत्तर प्रदेश आज देश का अत्यंत संभावनाशील राज्य है, जहां विनिर्माण, आधारभूत संरचना, लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यम, कृषि आधारित उद्योग, रक्षा उत्पादन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण निर्माण, भंडारण एवं परिवहन व्यवस्था तथा नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। प्रदेश सरकार निवेशकों को त्वरित अनुमतियां, भूमि उपलब्धता, नीतिगत प्रोत्साहन तथा सुरक्षित वातावरण प्रदान कर रही है, जिससे उद्योग स्थापना की प्रक्रिया सरल और पारदर्शी बनी है।उपमुख्यमंत्री ने बताया कि जर्मनी के औद्योगिक प्रतिनिधियों ने उत्तर प्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर सकारात्मक रुचि व्यक्त की है। यह प्रवास प्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर और अधिक सशक्त रूप से स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।उन्होंने कहा कि यह यात्रा प्रदेश के औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और आर्थिक सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

किसानों ने फूंका एलडीए का पुतला, लाठी-डंडों से पीटा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सन् 1984 में गोमती नगर उजरियांव योजना में अधिग्रहित की गई जमीन का संपूर्ण भुगतान न होने पर शुक्रवार को किसान लामबंद हो गए। भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रीयतावादी अराजनैतिक के साथ सैकड़ों महिला और पुरुष किसान लाठी-डंडा और हसिया लेकर लखनऊ विकास प्राधिकरण पहुंचे। गेट नंबर 1 के पास धरना-प्रदर्शन किया। 41 साल से मुआवजा और अन्य मांगे पूरी न होने पर नारेबाजी की।

एलडीए का पुतला हसिया व लाठी-डंडों से पीटकर आग के हवाले कर दिया। इस बीच पुलिस बल पहुंचा और रोकने का प्रयास किया। आपस में नोकझोंक हुई। घंटों प्रदर्शन चला। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अशोक यादव ने बताया कि योजना में फेज-1 व 2 में तखवा, चिनहट, कटौता, चकमल्हौर, बड़ा भरवारा, रिसहा, विजयीपुरी, गुलाम हुसैन पुरवा समेत 25 गांव की जमीन अधिग्रहित की थी। उस समय 85 पैसे स्क्वायर फीट के हिसाब से मुआवजा मिला। कोर्ट गए तो 2.50 रुपये, इसके बाद कोर्ट के आदेश पर 4.60 रुपये किए गए, लेकिन एलडीए ने भुगतान नहीं किया। कुछ देर बाद पहुंचे अधिकारियों ने अभिलेख देखे और बात सुनी। ज्ञापन लेकर समाधान का आश्वासन दिया।

करीब चार हजार किसान प्रभावित, पेयजल की व्यवस्था नहीं

अशोक यादव ने बताया कि इस योजना में करीब 4 हजार किसान प्रभावित हैं, जो सर्किल रेट मांग रहे हैं। किसानों को चार हजार भूखंड, जीवन-यापन के लिए चबूतरे, बरात घर का आश्वासन अधूरा है। गुलाम हुसैन पुरवा और रिहसा गांव में पेयजल की व्यवस्था नहीं हो पाई है। इसके अलावा चबूतरों का आवंटन भी नहीं किया है। चिनहट तिराहे पर अवैध 24 वर्ष से अतिक्रमण हटाने की मांग कर रहे हैं।

मुख्य मांगे

- विशेष खंड में 22 चूबतरों की लॉटरी निरस्त की जाए
- मुआवजे में काटा 11.2 फीसद इनकम टैक्स वापस लें
- लखनऊ पब्लिक स्कूल के पास बारात और किसान भवन बने
- विकल्प खंड में रोहित रेजिडेंसी के पास 4 हजार भूखंड विकसित करें
- गोमती नगर फेज-2 में शेष दो श्मशान घाट दिए जाएं

○ संक्षेप ○

अवनीश कुमार अवस्थी को मुख्यमंत्री के सलाहकार पद पर एक वर्ष की पुनर्नियुक्ति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन के नियुक्ति अनुभाग-1 द्वारा जारी कार्यालय-ज्ञाप के अनुसार मुख्यमंत्री के प्रशासनिक कार्यों में परामर्श प्रदान करने के लिए सृजित सलाहकार, मुख्यमंत्री पद की निरंतरता को एक वर्ष के लिए पुनः बढ़ा दिया गया है। इस पद पर सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अवनीश कुमार अवस्थी को यथावत तैनात रखने की सहर्ष स्वीकृति राज्यपाल द्वारा प्रदान की गई है।ज्ञाप के अनुसार उक्त अस्थायी निःसंवर्गीय पद का सृजन पूर्व में 16 सितंबर 2022 को किया गया था। इसकी निरंतरता अंतिम बार 28 फरवरी 2025 के कार्यालय-ज्ञाप के माध्यम से 1 मार्च 2025 से 28 फरवरी 2026 तक बढ़ाई गई थी। अब इसे पुनः 1 मार्च 2026 से 28 फरवरी 2027 तक के लिए विस्तारित कर दिया गया है।यह आदेश वित्त विभाग की सहमति प्राप्त होने के उपरांत निर्गत किया गया है। आदेश पर विशेष सचिव विजय कुमार के हस्ताक्षर अंकित हैं।कार्यालय-ज्ञाप की प्रतिलिपि सचिव, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली; महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) द्वितीय, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज; विशेष कार्याधिकारी, राज्यपाल; अध्यक्ष, राजस्व परिषद; अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री; समस्त अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव एवं सचिवगण; विभागाध्यक्षों, मण्डलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों सहित संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही एवं सूचनार्थ प्रेषित की गई है।शासन स्तर पर इसे प्रशासनिक निरंतरता और अनुभव के लाभ के दृष्टिगत महत्वपूर्ण निर्णय माना जा रहा है।

नगर निगम का सघन अतिक्रमण हटाओ अभियान, जोन-7 में बड़ी कार्रवाई

लखनऊ। शहर में लगातार बढ़ रहे अवैध अतिक्रमण और उससे उत्पन्न हो रही यातायात समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम लखनऊ द्वारा शुक्रवार को सघन अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। यह अभियान नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर संचालित किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य शहर की प्रमुख सड़कों, सार्वजनिक स्थलों, नाली-नालों एवं फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त कर आम नागरिकों को सुगम और सुरक्षित यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराना है।जोन-7 के जोनल अधिकारी रामेश्वर प्रसाद के नेतृत्व में 27 फरवरी 2026 को विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान आजाद मार्केट सी-ब्लॉक, विधायक जी वाली रोड, कुकरैल बंधा शक्तिनगर क्षेत्र तथा जेए धर्म कांटा कल्याणपुर के आसपास सड़कों और नाली-नालों की दोनों पट्टियों पर किए गए अवैध कब्जों को हटाया गया।अभियान के दौरान अवैध रूप से लगाए गए ठेले और अस्थायी ढांचों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए दो ठेलियां, दो तराजू, दो प्लास्टिक टेबल, दो कुर्सियां तथा एक लोहे का काउंटर जब्त किया गया। साथ ही अतिक्रमण करने वालों को भविष्य में दोबारा कब्जा न करने की सख्त चेतावनी दी गई।यह कार्रवाई अधीक्षक विनय मौर्य, ईटीएफ टीम तथा टीम-296 की उपस्थिति में संपन्न हुई। नगर निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा और नियमों की अनदेखी करने वालों के विरुद्ध कठोर कदम उठाए जाएंगे।

न्यायालय के वारंटी को इटौंजा पुलिस ने किया गिरफ्तार

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के अंतर्गत थाना इटौंजा पुलिस ने माननीय न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई विशेष अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सीबीआई (अपर प्रभार) लखनऊ द्वारा निर्गत गिरफ्तारी अधिपत्र के अनुपालन में की गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार वाद संख्या 847/18, अपराध संख्या 49/17 धारा 498ए, 323, 506 भादवि एवं दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धाराओं से संबंधित प्रकरण में राजेन्द्र पुत्र पंचम, निवासी ग्राम भवनपुर, थाना अटरिया, जनपद सीतापुर (उम्र 33 वर्ष) के विरुद्ध न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी प्रपत्र जारी किया गया था।न्यायालय के आदेश का अनुपालन न करने पर थाना इटौंजा पुलिस टीम ने 27 फरवरी 2026 को अभियुक्त के घर पर दबिश देकर उसे गिरफ्तारी अधिपत्र दिखाते हुए विधिवत हिरासत में ले लिया। गिरफ्तारी के उपरांत आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।कार्रवाई में उपनिरीक्षक रमेश सिंह यादव, आरक्षी मुकेश कुमार तथा महिला आरक्षी पूजा शर्मा की सक्रिय भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि न्यायालय के आदेशों की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान निरंतर चलाया जा रहा है।

होली से पूर्व वेतन भुगतान अनिवार्य, 28 फरवरी कार्यदिवस घोषित

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ ने होली पर्व को देखते हुए प्रदेश के सभी शासकीय कर्मचारियों के वेतन का भुगतान समय से पूर्व सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा है कि त्योहार के अवसर पर किसी भी कर्मचारी को आर्थिक कठिनाई का सामना न करना पड़े, यह शासन की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों और आहरण-वितरण अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे निर्धारित समयसीमा के भीतर वेतन वितरण की प्रक्रिया पूर्ण करें।मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि केवल नियमित कर्मचारियों ही नहीं, बल्कि बाह्य स्रोत से नियुक्त कर्मी, संविदा कर्मी, सफाई कर्मी तथा अन्य सभी श्रेणी के कार्मिकों का पारिश्रमिक भी पर्व से पहले उनके खातों में पहुंचना चाहिए। उन्होंने दोहराया कि किसी भी स्तर पर शिथिलता या उदासीनता पाई गई तो संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। त्योहार की व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रखने के उद्देश्य से 28 फरवरी (शनिवार) को कार्यदिवस घोषित किया गया है, ताकि प्रशासनिक और वित्तीय कार्य समय से पूरे किए जा सकें। इसके उपरांत कर्मचारियों को 3 मार्च का अवकाश प्रदान किया जाएगा। होली पर्व के अवसर पर 2, 3 और 4 मार्च को अवकाश रहेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन कर्मचारियों के हितों के प्रति संवेदनशील है और पर्व के अवसर पर समय से वेतन उपलब्ध कराना प्रशासन की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिया कि वे आदेशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करें तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचें।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी कर्मचारी को समय पर वेतन अथवा पारिश्रमिक प्राप्त नहीं होता है।

पुराने हाईकोर्ट परिसर में सघन चेकिंग के दौरान दो गिरफ्तार, पिस्टल व कारतूस बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। कचहरी स्थित न्यायालय परिसर में प्राप्त धमकी भरे ई-मेल के बाद सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व रूप से सुदृढ़ कर दिया गया है। पुलिस उपायुक्त पश्चिमी के निर्देशन में थाना वजीरगंज पुलिस द्वारा बीडीएस टीम और डॉग स्क्वॉड के साथ लगातार सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। न्यायालय परिसर और उसके आसपास के क्षेत्रों में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की गहन तलाशी ली जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके।इसी क्रम में 26 फरवरी 2026 को अपराह्न लगभग 4:45 बजे पुराने हाईकोर्ट परिसर के गेट नंबर 8ए पर चेकिंग के दौरान दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोका गया। तलाशी लेने पर एक व्यक्ति के कब्जे से 32 बोर की एक पिस्टल तथा मैग्जीन में दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। वहीं दूसरे व्यक्ति के पास से दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पूछताछ के दौरान दोनों व्यक्ति बरामद शस्त्र और कारतूस के संबंध में कोई वैध अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सके।इसके बाद दोनों को तत्काल हिरासत में लेकर थाना वजीरगंज में मुकदमा अपराध संख्या 41/2026, धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। पुलिस के अनुसार प्रकरण में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है और यह भी जांच की जा रही है कि अभियुक्त न्यायालय परिसर में किस उद्देश्य से पहुंचे थे।गिरफ्तार अभियुक्तों में लालचन्द्र कजानी पुत्र दौलत राम कजानी निवासी अमन विहार, थाना ठाकुरगंज, लखनऊ (उम्र लगभग 50 वर्ष) तथा भानु प्रताप यादव पुत्र रामदरश यादव निवासी राजाजीपुरम, थाना तालकटोरा, लखनऊ (उम्र लगभग 40 वर्ष) शामिल हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से महापौर सुषमा खर्कवाल की शिष्टाचार भेंट

लखनऊ। देश के रक्षा मंत्री एवं लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह से नई दिल्ली स्थित उनके शासकीय आवास पर लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने शिष्टाचार भेंट की।भेंट के दौरान महापौर ने लखनऊ शहर के समग्र विकास, जनसुविधाओं के विस्तार तथा नगर निगम द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने नगर क्षेत्र में आधारभूत संरचना सुदृढ़ीकरण, स्वच्छता व्यवस्था, जल निकासी, हरित क्षेत्र विस्तार तथा नागरिक सुविधाओं के उन्नयन जैसे विषयों पर रक्षा मंत्री का मार्गदर्शन प्राप्त किया।इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने शहर के विकास कार्यों के लिए शुभकामनाएं देते हुए आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से अपेक्षा की कि वे नागरिकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें।

होली पर लुलु हाइपरमार्केट की अनूठी पहल, बाल सदन के बच्चों संग बाँटी खुशियाँ

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। लुलु हाइपरमार्केट लखनऊ ने एक बार फिर सामाजिक सरोकार और आपसी एकता के मूल्यों को साकार करते हुए होली के पावन अवसर पर विशेष पहल की। "हैप्पी होली" अभियान के अंतर्गत हाइपरमार्केट की टीम ने लखनऊ स्थित श्रीमद् दयानंद बाल सदन के बच्चों को होली किट वितरित कर उनके साथ त्योहार की खुशियाँ साझा कीं। इस अवसर पर बच्चों के बीच उत्साह और मुस्कान का सुंदर संगम देखने को मिला। होली किट प्राप्त कर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे और पूरे परिसर में उत्सव जैसा वातावरण बन गया।कार्यक्रम के दौरान टीम के सदस्यों ने बच्चों के साथ समय बिताया और प्रेम, अपनत्व तथा मिलकर त्योहार मनाने का संदेश दिया। यह पहल लुलु हाइपरमार्केट की उस सोच को प्रतिबिंबित करती है, जिसमें हर त्योहार को समाज के सभी वर्गों के साथ साझा करने पर जोर दिया जाता है। समूह का मानना है कि सच्ची खुशी तभी मिलती है जब उसे बांटा जाए और हर चेहरे पर मुस्कान लाई जाए।इस अवसर पर क्षेत्रीय निदेशक – उत्तर प्रदेश, तेलंगाना एवं दिल्ली नोमान अज़ीज़ खान ने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि दिलों को जोड़ने का अवसर है। उन्होंने कहा कि लुलु हाइपरमार्केट हमेशा से एकता, प्रेम और साथ मिलकर आगे बढ़ने की भावना को प्रोत्साहित करता रहा है और बच्चों के साथ यह समय बिताना उनके लिए बेहद विशेष और भावनात्मक अनुभव रहा।जनरल मैनेजर सुनील शर्मा ने कहा कि लुलु का प्रयास रहता है कि हर त्योहार को सभी के साथ मिलकर मनाया जाए। उन्होंने कहा कि खुशियाँ बाँटने से ही बढ़ती हैं और लुलु परिवार इसी भावना के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है।लुलु हाइपरमार्केट ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी वह इसी प्रकार प्रेम, सौहार्द और सहभागिता की भावना को सशक्त करते हुए समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता रहेगा।

चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। महान क्रांतिकारी एवं अमर स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस के अवसर पर आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय, लखनऊ में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के उपाध्यक्ष श्री मनीष हिंदवी ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी और राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए उनके अद्वितीय योगदान को नमन किया।श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए श्री मनीष हिंदवी ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद का जीवन साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति की सर्वोच्च मिसाल है। उन्होंने मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया और युवाओं को अन्याय तथा अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष करने की प्रेरणा दी। उनका बलिदान देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि नई पीढ़ी चंद्रशेखर आजाद के आदर्शों को आत्मसात करे और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाए। उनके संघर्ष, अनुशासन और अटूट संकल्प से प्रेरणा लेकर ही देश को सशक्त और समृद्ध बनाया जा सकता है।इस अवसर पर ऑल इंडिया महिला कांग्रेस की समन्वयक श्रीमती अनामिका यादव, सिद्धिश्री, राजेश सिंह काली, नवीन सक्सेना, ममता सक्सेना, माया सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भी चंद्रशेखर आजाद को श्रद्धासुमन अर्पित कर अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।सभा का समापन राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले सभी वीर सपूतों को स्मरण करते हुए किया गया।

लोक भवन रोड पर महिला ने आत्मदाह का किया प्रयास, पुलिस की तत्परता से बची जान

लखनऊ। थाना हजरतगंज क्षेत्र में लोक भवन रोड स्थित सेक्टर-1 बैरियर के पास गुरुवार दोपहर एक महिला द्वारा आत्मदाह का प्रयास किए जाने से अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद आत्मदाह निरोधी दस्ते ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महिला को सुरक्षित बचा लिया।प्राप्त जानकारी के अनुसार दोपहर लगभग 1:00 बजे संध्या सिंह पत्नी सुखदेव सिंह निवासी न्यू श्रीनगर, मानकनगर रेलवे स्टेशन के पास, लखनऊ, बैरियर के समीप पहुंचीं और अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आत्मदाह का प्रयास करने लगीं। वहां तैनात आत्मदाह निरोधी दस्ते ने सूझबूझ और तत्परता का परिचय देते हुए तत्काल हस्तक्षेप किया और महिला को सुरक्षित अपने कब्जे में लेकर थाना हजरतगंज ले जाया गया, जहां उनसे पूछताछ की गई। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि महिला का अपने पड़ोसी इकबाल सिंह के साथ भूमि संबंधी विवाद चल रहा है।

सुशांत गोल्फ सिटी में सूने मकान में लाखों की चोरी, ताले तोड़कर ले गए आभूषण और नगदी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में सूने मकान को निशाना बनाकर चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। घर के मालिक के पारिवारिक कार्यक्रम में बाहर जाने का फायदा उठाते हुए अज्ञात चोरों ने ताले तोड़कर घर में रखे सोने-चांदी के आभूषण, नगदी और अन्य कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है और पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है।कुटुम्ब निवास, साईदाता रोड, सरसेवा निवासी निलेश सिंह ने थाना सुशांत गोल्फ सिटी में लिखित प्रार्थनापत्र देकर बताया कि वह अपने परिवार के साथ एक वैवाहिक समारोह में शामिल होने के लिए जनपद देवरिया गए हुए थे। 26 फरवरी 2026 की रात्रि लगभग 12:30 बजे जब वह परिवार सहित वापस घर लौटे तो देखा कि घर की देखरेख के लिए छोड़ा गया ड्राइवर राजेन्द्र शर्मा मौके पर मौजूद नहीं था।घर के भीतर प्रवेश करने पर परिजनों के होश उड़ गए। कमरों के दरवाजों के ताले टूटे हुए थे और अलमारी तथा लॉकर क्षतिग्रस्त अवस्था में मिले। घर के अंदर रखा सामान बिखरा पड़ा था, जिससे स्पष्ट था कि चोरों ने पूरे घर को खंगाल डाला। अलमारी में रखे सोने-चांदी के आभूषण, नगदी और अन्य कीमती वस्तुएं गायब थीं।घटना की जानकारी मिलते ही पीड़ित ने तत्काल डायल 112 पर सूचना दी। सूचना पर पीआरवी टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ भी की और प्रारंभिक साक्ष्य जुटाए।

ऑपरेशन 'कन्विक्शन' के तहत आशियाना पुलिस को बड़ी सफलता

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में अपराधियों को कठोर दंड दिलाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'ऑपरेशन कन्विक्शन' अभियान के अंतर्गत थाना आशियाना पुलिस एवं अभियोजन विभाग के संयुक्त प्रयास से एक महत्वपूर्ण प्रकरण में अभियुक्त को दोषसिद्ध कराते हुए सजा दिलाई गई है। माननीय न्यायालय ने अभियुक्त को तीन वर्ष के सश्रम कारावास तथा 13 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।यह कार्रवाई पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश के निर्देश पर संचालित अभियान के क्रम में की गई। पुलिस आयुक्त लखनऊ अमरेन्द्र कुमार सेंगर तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) अपर्णा कुमार के निर्देशन में अपराधियों को अधिकतम सजा दिलाने के उद्देश्य से न्यायालयों में सघन और प्रभावी पैरवी की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त (अपराध) कमलेश कुमार दीक्षित और पुलिस उपायुक्त (मध्य) विक्रांत वीर के पर्यवेक्षण में यह सफलता प्राप्त हुई।अपर पुलिस उपायुक्त (मध्य) जितेंद्र दुबे तथा सहायक पुलिस आयुक्त कैंट अभय प्रताप मल्ल के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक थाना आशियाना छत्रपाल सिंह के नेतृत्व और पैरोकार कांस्टेबल दीपेश कुमार के अथक प्रयासों से प्रकरण में सशक्त साक्ष्य एवं तर्क न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए गए। प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप न्यायालय ने अभियुक्त को दोषी ठहराते हुए कठोर दंड सुनाया।प्रकरण थाना आशियाना पर पंजीकृत अपराध संख्या 741/2017 से संबंधित था, जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 354, 354 (घ) तथा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की धारा 7/8 के अंतर्गत अभियोग दर्ज किया गया था। सत्र परीक्षण संख्या 975/2019 में सुनवाई पूर्ण होने के उपरांत विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो अधिनियम) प्रथम, लखनऊ ने 24 फरवरी 2026 को निर्णय सुनाते हुए अभियुक्त रंजीत कुमार रावत पुत्र चंद्रिका प्रसाद, निवासी रूचिखंड-3, फिरंगीखेड़ा, थाना आशियाना, लखनऊ को दोषसिद्ध पाया।

नाबालिग बालिका से अश्लील कृत्य के आरोपी को जानकीपुरम पुलिस ने किया गिरफ्तार

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के अंतर्गत थाना जानकीपुरम पुलिस ने छह वर्ष की मासूम बालिका के साथ अश्लील कृत्य करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोपी को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को 24 घंटे के भीतर हिरासत में ले लिया।प्रकरण के अनुसार 26 फरवरी 2026 को पीड़िता की माता द्वारा थाना जानकीपुरम में शिकायत दर्ज कराई गई कि नामित अभियुक्त ने उनकी नाबालिग पुत्री के साथ अशोभनीय हरकत की तथा किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। शिकायत मिलते ही पुलिस ने तत्काल संज्ञान लेते हुए अपराध संख्या 041/26 के अंतर्गत भारतीय न्याय संहिता की धारा 65(2), 351(2), 333 तथा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की धारा 5(एम)/6 में मुकदमा पंजीकृत किया और विवेचना प्रारंभ कर दी।

मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत रहीमाबाद पुलिस द्वारा महिलाओं को किया गया जागरूक

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा संचालित मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत थाना रहीमाबाद पुलिस टीम ने ग्राम गदियाखेड़ा में पहुंचकर महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया।मिशन शक्ति का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित, सशक्त तथा आत्मनिर्भर बनाना है। यह अभियान उन्हें उनके अधिकारों की जानकारी देने, आत्मरक्षा के उपाय सिखाने तथा आपात स्थितियों में त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न सहायता सेवाओं से जोड़ने का कार्य करता है।कार्यक्रम के दौरान उपनिरीक्षक अनिरुद्ध कुमार मिश्र, उपनिरीक्षक उमाशंकर यादव, महिला आरक्षी प्रियंका डागर तथा आरक्षी रणविजय ने ग्रामीण महिलाओं और बालिकाओं को आपातकालीन सहायता नंबर 112, महिला सुरक्षा हेल्पलाइन 1090, महिला सहायता नंबर 181, बाल सहायता नंबर 1098, साइबर अपराध सहायता नंबर 1930, चिकित्सीय सहायता 102 एवं 108 तथा जनसुनवाई सेवा 1076 के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।पुलिस टीम ने महिला सहायता कक्ष, गुलाबी सहायता केंद्र, एंटी रोमियो दल तथा सुरक्षा संबंधी अन्य योजनाओं के बारे में भी जानकारी प्रदान की। साइबर अपराधों जैसे ऑनलाइन धोखाधड़ी, सोशल मीडिया दुरुपयोग और फिशिंग से बचाव के उपायों पर विशेष चर्चा की गई तथा संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में तत्काल शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया गया।इसके अतिरिक्त उपस्थित महिलाओं और युवाओं को यातायात नियमों के पालन के प्रति भी जागरूक किया गया। वाहन चलाते समय सुरक्षात्मक हेलमेट के प्रयोग, गति सीमा का पालन तथा यातायात नियमों के अनुपालन पर बल दिया गया।कार्यक्रम के अंत में महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न सहायता सेवाओं और सुरक्षा योजनाओं से संबंधित जानकारी युक्त पर्चे वितरित किए गए।

भारतीय डाक विभाग का सिंधिया ने कर दिया कायाकल्प, गांव से ग्लोबल तक पहुँच हुई और आसान

भारतीय डाक अब सिर्फ चिट्ठी-पत्री पहुंचाने वाला विभाग नहीं रहा बल्कि यह तेज, तकनीक-सक्षम और बहुआयामी सेवा नेटवर्क में बदल चुका है। इस बदलाव के केंद्र में संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की स्पष्ट सोच, कड़े फैसले और आधुनिक दृष्टि दिखाई देती है। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में डाक विभाग ने अपने कामकाज को तीन बड़े स्तंभों पर खड़ा किया है। इसके तहत राजस्व बढ़ाने, कामकाज की गति को तेज और आसान बनाने तथा जमीनी स्तर पर कर्मचारियों को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। वित्तीय आंकड़े इस बदलाव की गवाही देते हैं। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तीन तिमाहियों में डाक विभाग की कुल आय 10,211 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 8.8% अधिक है। खास बात यह है कि CCS (सिटिजन सेंट्रिक सर्विसेज) में लगभग 95% की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज हुई। साथ ही पार्सल और अन्य सेवाओं में भी दो अंकों की वृद्धि हुई है। '24 स्पीड पोस्ट पार्सल' सेवा के तहत अब बड़े शहरों के बीच अगले दिन डिलीवरी यानि 24 घंटे के भीतर सामान पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे शहरों में इसका पायलट चल रहा है और 95% से अधिक डिलीवरी सफलता दर हासिल की गई है। इस सेवा के तहत पैकेजिंग को नया रूप दिया गया है, पोस्टमैन बैग बदले गए हैं और RFID व टेलीमैटिक्स जैसी तकनीक अपनाई जा रही है। स्पीड पोस्ट और रजिस्टर्ड पोस्ट को मिलाकर प्रक्रियाएं सरल भी की गई हैं। दूरदराज इलाकों में ड्रोन से डिलीवरी का पायलट चल रहा है, जबकि महानगरों में ई-वाहनों से लास्ट माइल डिलीवरी शुरू की गई है। इसके अलावा, निर्यात और MSME को नई ताकत देने के लिए देशभर में 1000 से अधिक 'डाक निर्यात केंद्र' बनाए गए हैं। इनके माध्यम से 13 लाख कंसाइनमेंट भेजे गए, जिनकी कुल निर्यात कीमत 303 करोड़ रुपये रही और 135 देशों तक सामान पहुंचाया गया। अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा के लिए विशेष पायलट भी चल रहा है। डाकघर मल्टी-सर्विस सेंटर के रूप में भी तेजी से काम कर रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक, आधार नामांकन केंद्रों ने अब तक 14.45 करोड़ लेन-देन किए हैं। पासपोर्ट सेवा केंद्रों में 2.05 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए। 13,000 से अधिक डाकघरों में KYC सेवाएं दी जा रही हैं। साथ ही BSNL, SIDBI, AMFI, BSE और NSE के साथ समझौते कर डाकघरों को वित्तीय और डिजिटल सेवाओं का केंद्र बनाया गया है।

इसके अलावा, बीमा और बैंकिंग में भी विस्तार किया जा रहा है। अभी डाक जीवन बीमा की 1.24 करोड़ सक्रिय पॉलिसियां हैं और 2.27 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति प्रबंधन में है। विभाग ने 2028-29 तक 70% कामकाज ऑनलाइन करने का लक्ष्य रखा है। आंकड़ों के मुताबिक, डाक बचत बैंक में 37.36 करोड़ खाते हैं और इनमें 21.77 लाख करोड़ रुपये जमा हैं। इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के 12.91 करोड़ खाते हो चुके हैं। ई-केवाईसी और वीडियो केवाईसी जैसी डिजिटल सुविधाएं भी तेजी से बढ़ रही हैं।

तकनीक और ढांचे में सुधार की बात करें तो डाकघरों का पुनर्गठन किया गया है। स्पीड पोस्ट और रजिस्टर्ड पोस्ट की प्रोसेसिंग को एक किया गया है। नए एर्गोनोमिक काउंटर, स्मार्ट बुकिंग मशीन और मोबाइल-वेब चैनल शुरू किए गए हैं। साथ ही ग्रामीण डाक सेवकों के सम्मान और संवाद के लिए देशभर में GDS सम्मेलन आयोजित किए गए, जिनमें 8,000 से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया। विभाग के सूत्रों का कहना है कि मार्च 2026 तक 100 "एन-जन" पोस्ट ऑफिस शैक्षणिक परिसरों में खोले जाएंगे, जहां वाई-फाई, कॉफी कॉर्नर और आधुनिक डिजाइन जैसी सुविधाएं होंगी। इसका लाभ यह होगा कि माता पिता अपने बच्चों को कोई सामान सीधे उनके शैक्षणिक संस्थान के भीतर स्थित डाक घर में भेज सकेंगे और छात्र भी कोई सामान उसी डाक घर से बाहर भेज सकेंगे। देखा जाये तो केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया इन सुधारों के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस विजन को जमीन पर उतारते दिख रहे हैं, जिसमें सरकारी सेवाएं सस्ती, सुलभ और डिजिटल हों। 'डिजिटल इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत' और 'सबका साथ, सबका विकास' जैसे अभियानों की झलक डाक विभाग के इस कायाकल्प में स्पष्ट दिखाई देती है। गांव-गांव तक फैले डाक नेटवर्क को डिजिटल पहचान, बैंकिंग, बीमा, निर्यात और ई-कॉमर्स से जोड़कर आम नागरिक को उसके घर के पास ही आधुनिक सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। कम लागत में तेज सेवा, तकनीक आधारित पारदर्शिता और अंतिम पंक्ति तक पहुंच, यही वह मॉडल है, जिसके जरिए डाक विभाग को नए जमाने की जरूरतों के अनुरूप ढाला जा रहा है। उल्लेखनीय है कि भारतीय डाक विभाग कभी धीमी और परंपरागत व्यवस्था का प्रतीक माना जाता था।

पर्यावरण सुधारने से बचेगी चारोंधाम की पवित्रता और अस्तित्व

साल 2013 में केदारनाथ में भयंकर विनाशकारी आपदा आई थी। केदारनाथ आपदा में 4400 से अधिक लोग मारे गए। 7 फरवरी 2022 को धौली और ऋषि गंगा का ऐसा सैलाब आया

योगेंद्र योगी

बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने कहा है कि उसके अधिकार क्षेत्र में आने वाले 47 प्रमुख मंदिरों में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर रोक के प्रस्ताव में जैन, सिख और बौद्ध समुदायों को छूट दी जाएगी। समिति की तरफ से कहा गया है कि मामला किसी विशेष धर्म का नहीं, बल्कि आस्था और धार्मिक अनुशासन का है, जो भी सनातन धर्म में आस्था रखता है, उसके लिए बदरीनाथ और केदारनाथ धाम के द्वार खुले हैं। उसके पवित्र स्थलों की मूल प्रकृति को बनाए रखने के लिए सख्त कदम जरूरी है। प्रस्ताव का यह प्रतिबंध केवल मुस्लिम और ईसाई समुदाय पर लागू होगा। जैन, सिख और बौद्ध समुदाय को छूट देने के पीछे तर्क दिया गया है कि अनुच्छेद 25 के तहत इन्हें हिन्दू परंपरा के अंतगर्त माना गया है। इस प्रस्ताव को जनवरी के अंत या फरवरी की शुरुआत में होने वाली बोर्ड बैठक में मंजूरी के लिए रखा जाएगा।

सवाल यही है कि सिर्फ मुस्लिम और ईसाइयों को बाहर रखने से ही क्या मंदिरों की पवित्रता बची रहेगी। क्या यही असली चुनौती है। चारो धाम पर जो पर्यावरण का खतरा सिर पर मंडरा रहा है, उससे पवित्रता खतरे में नहीं है। हिन्दुओ के चार वेद एवं 18 पुराणों में से एक प्रमुख स्कंद पुराण में की गई भविष्यवाणी के अनुसार कलियुग के हजारों वर्षों बाद और इसके अंत से पूर्व केदारनाथ धाम और बद्रीनाथ धाम जैसे प्रमुख तीर्थ स्थल अदृश्य हो जाएंगे या नष्ट हो जाएंगे। इस भविष्यवाणी का तात्पर्य यह बिल्कुल नहीं है की कोई शक्ति जाकर इन मंदिरों को तोड़ देगी या नष्ट कर देगी। बल्कि स्कंद पुराण के अनुसार कलियुग के अंत में जब धर्म का पतन अपने चरम पर होगा, तब यह दिव्यस्थल अपनी आध्यात्मिक शक्ति को समेट लेंगे और अदृश्य या भक्तों की पहुंच से दूर हो जाएंगे।

उपरोक्त भविष्यवाणी यह चेतावनी है कि कलियुग में हमें धर्म का पालन करना चाहिए, ताकि कलयुग में पवित्र स्थल और उनकी कृपा हम पर बनी रहे। साल 2013 में केदारनाथ में भीषण आपदा को भी कुछ लोग इस भविष्यवाणी की झलक मानते हैं। 15 जून 2025 को रुद्र प्रयाग में एक हेलिकाप्टर दुर्घटना ग्रस्त हो गया है। जिसमें सवार सभी तीर्थ यात्रियों के मृत्यु हो गई। कुछ लोग इसे वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार आधुनिक दृष्टिकोण के रूप में प्रतीकात्मक मानते हैं कि अगर हम पर्यावरण का नाश करेंगे तो धर्म हमसे दूर होता चला जाएगा। मौजूदा दौर में प्राकृतिक आपदाएं या सामाजिक पतन की घटनाओं में वृद्धि हो रही है। ये इस बात का संकेत है कि इस पूरे क्षेत्र में दशकों से चले आ रहे प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन ने हालात बिगाड़ दिए हैं। इसके बावजूद जितनी गंभीरता से पर्यावरण को बचाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं, वे ऊट के मुंह में जीरे के समान है।

साल 2013 में केदारनाथ में भयंकर विनाशकारी आपदा आई थी। केदारनाथ आपदा में 4400 से अधिक लोग मारे गए। 7 फरवरी 2022 को धौली और ऋषि गंगा का ऐसा सैलाब आया, जिसमें सैकड़ों जिंदगियां दफ्न हो गई थी। इस आपदा ने न सिर्फ 204 लोगों की जान ले ली, बल्कि अपने रास्ते में आने वाले सभी बुनियादी ढांचों को नष्ट कर दिया। आपदा में करीब 1,625 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। उत्तराखंड चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या साल दर साल बढ़ती जा रही है। वर्ष 2025 में 51 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने चारों धामों के दर्शन किए, जो पिछले साल अर्थात 2024 की तुलना में 4 लाख 35 हजार अधिक है।

केदारनाथ यात्रा के दौरान डेढ़ से 2 टन कचरा रोजाना उत्पन्न होता है। वर्ष 2025 की यात्रा के दौरान केदारनाथ धाम में रिकॉर्ड 17.68 लाख भक्तों ने लगभग कुल 2300 टन से अधिक कचरा फैलाया है, जिसमें 100 टन प्लास्टिक शामिल है। हिमालयी क्षेत्र में कूड़ा जलाने पर बैन होने के कारण, इस मलबे को खच्चरों द्वारा सोनप्रयाग नीचे लाने में ₹25 करोड़ से अधिक की लागत आ रही है। यह कचरा पिछले साल की तुलना में 325 टन अधिक है। जिसमें 2200 टन ठोस कचरा और लगभग 100 टन प्लास्टिक शामिल है। हर तीर्थयात्री ने औसतन 1.5 किलो से ज्यादा कचरा छोड़ा। भारी मात्रा में प्लास्टिक कचरा हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक बड़ा खतरा बन गया है। यह कचरा 23 अक्टूबर 2025 को कपाट बंद होने के बाद सफाई अभियान के दौरान गौरीकुंड से केदारनाथ के बीच मिला।

जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालय पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान, अल्मोड़ा और उत्तराखंड औद्योगिक एवं वानिकी विश्वविद्यालय की एक रिपोर्ट के मुताबिक चारधाम में बढ़ती श्रद्धालुओं की भीड़ ग्रीष्मकालीन के साथ ही शीतकालीन गतिविधियों को भी प्रभावित कर रही है। ऐसे में ग्लेशियरों के पीछे खिसकने की वजह से भूस्खलन हिमस्खलन चट्टानों के गिरने समेत खतरों को बढ़ा रहा है। यही नहीं, ग्लेशियर के पीछे हटने से हैकिंग ट्रेल्स और पर्वतारोहण मार्गों में भी बदलाव आ रहे हैं। लिहाजा, चारधाम में बढ़ रही भक्तों की भीड़ की वजह से पर्वतीय पर्यटन पर प्रभाव पड़ रहा है। मुख्य रूप से, श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ाने की वजह से चारधाम यानी बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के समीप मौजूद ग्लेशियर न सिर्फ तेजी से पिघल रहे हैं बल्कि सालाना धामों के तापमान भी 0.02 से 0.05 डिग्री तक की बढ़ोतरी हो रही है। दिसंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड में हजारों एकड़ वन भूमि पर अतिक्रमण का स्वतः संज्ञान लेते हुए कहा था कि राज्य तंत्र की विफलता के कारण ₹23 साल लग गए₹ और अधिकारी सब कुछ देखते हुए भी शांत बने रहे। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड में वन भूमि पर अवैध अतिक्रमण और कॉर्बेट नेशनल पार्क में अवैध निर्माण/पेड़ों की कटाई पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार को ₹मूकदर्शक₹ बने रहने के लिए कड़ी फटकार लगाई थी। कोर्ट ने अतिक्रमण हटाने, जांच के लिए समिति गठित करने और पारिस्थितिक नुकसान की भरपाई करने के निर्देश दिए थे। उत्तराखंड में हज़ारों हेक्टेयर वन भूमि पर अवैध कब्जे.के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्य में कार्यकारी पद पर आसीन प्रत्येक व्यक्ति इस लापरवाही के लिए जवाबदेह है। सुनवाई के दौरान अदालत ने सरकार को फटकार लगाते हुए पूछा कि आपको अवैध कब्ज़े का पता लगाने में 23 साल का समय लग गया। सुप्रीम कोर्ट की इस तल्ख टिप्पणी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि उत्तराखंड सरकार को पर्यावरण बचाने की कितनी चिंता है, इसके विपरीत धार्मिक भावनाओं को भुनाने के लिए पवित्रता बचाने की कवायद की जा रही है। उत्तराखंड में मानवीय गतिविधियों के विस्फोट से ये भयावह हालात पैदा हुए हैं। व्यवसायिक गतिविधियों के लालच ने उत्तराखंड को विनाश के कगार पर धकेला है। इंसानों द्वारा प्रकृति को दिए गए घावों से उत्तराखंड कराह रहा है। हालात ये हैं कि पर्यटन और धार्मिक आस्था के नाम पर उत्तराखंड पर लगातार दबाव बढ़ता जा रहा है। देवताओं का निवास माने जाने वाला यह प्रदेश इस दबाव को सहन करने की शक्ति खोता चला रहा है। उत्तराखंड चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या साल दर साल बढ़ती जा रही है।

टिप्पणी

सांप्रदायिक भावनाओं के कारण तनाव

राजनेताओं को स्वार्थ से उठ कर समस्या पर विचार करना चाहिए। समाज में सांप्रदायिक भावनाओं के कारण व्यक्तिगत रिश्ते तनाव में आ रहे हों, तब थोपी गई एकता कारगर नहीं हो सकती। जरूरत पहले सामाजिक दुराव खत्म करने की है।

पिछले महीने मणिपुर चूराचंदपुर में 31 वर्षीय मयंगलम्बम सिंह का अपहरण कर हत्या कर दी गई थी, जब वे अपनी मंगेतर से मिलने गए थे। मंगेतर कुकी-जो समुदाय की थी। उस हृदय-विदारक घटनाक्रम में इक_ी भीड़ ने युवती को वहां से जाने दिया। उसके बाद मयंगलम्बम सिंह को मार डाला गया। हत्यारों ने दया की भीख मांगते उस व्यक्ति का वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर प्रचारित किया। इस घटना से जाहिर हुआ था कि पौने तीन साल से जारी हिंसा ने मैतेई और कुकी समुदायों में किस हद तक दुराव पैदा किया है।

उस घटना के बाद मीडिया में आई रिपोर्टों से संकेत मिला है कि सांप्रदायिक नफरत का ये जहर किस हद तक फैला चुका है। असर इतना घातक है कि अब विवाहित मैतई और कुकी दंपती अपने को मुसीबत में पा रहे हैं। ऐसे कई सामने आए मामले हैं, जिनमें ऐसे दंपतियों पर तलाक लेने का दबाव उनके समुदाय के लोगों ने बनाया हैं। उनमें कई दंपतियों की कई संतानें भी हैं। कुछ मामले तो ऐसे हैं, जिनमें पति- पत्नी हिंसा भड़कने के बाद से अलग रहने को मजबूर हैं। हैरतअंगेज है कि राजनीतिक दलों को समाज में उभरी ऐसी विभाजक प्रवृत्तियों की फिक्र नहीं है। इन हालात को नजरअंदाज करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने इस महीने मणिपुर में नई सरकार बनाई। उसके बाद से राज्य में हिंसा का नया दौर आया हुआ है।

चूराचांदपुर, उखरुल और अन्य कुकी बहुल इलाकों में आगजनी, पथराव, पुलिस से झड़प आदि जैसी अनेक घटनाएं हुई हैं। कुकी-जो समुदाय के लोग अपनी बहुलता वाले इलाको को केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग कर रहे हैं। यानी वे मणिपुर का हिस्सा नहीं रहना चाहते, जिसमें मैतेई बहुसंख्यक हैं। राजनेताओं को थोड़े समय के लिए स्वार्थ से उठ कर इस समस्या पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्हें समझना चाहिए कि जब समाज में सांप्रदायिक भावनाओं के कारण व्यक्तिगत रिश्ते तनाव में आ गए हों, तब ऊपर से थोपी गई राजनीतिक एकता कारगर नहीं हो सकती। अतः जरूरत पहले सामाजिक दुराव खत्म करने की है। इसे जितना नजरअंदाज किया जाएगा, स्थितियां उतनी ही विकट होती जाएंगी।

ब्लॉग

हेक्सागन गठबंधन के अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिक मायने समझिए

कमलेश पांडे

इजरायल द्वारा प्रस्तावित ₹हेक्सागन गठबंधन₹ के अंतर्राष्ट्रीय मायने बेहद दिलचस्प हैं। यह अतिवादी ताकतों के विरूद्ध शक्ति संतुलन स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। वास्तव में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा प्रस्तावित यह गठबंधन एक ऐसा कूटनीतिक समूह है, जिसमें भारत, अरब देश, अफ्रीकी राष्ट्र, ग्रीस, साइप्रस और अन्य एशियाई देश शामिल होंगे।

समझा जाता है कि भले ही इस गठबंधन का मुख्य उद्देश्य कट्टरपंथी शिया और सुन्नी ताकतों के खिलाफ एकजुट होकर सुरक्षा, स्थिरता और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है, लेकिन इसके उन वैश्विक कूटनीतिक निहितार्थों से भी इंकार नहीं किया जा सकता, जो अमेरिका, चीन और रूस जैसे तीनों अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों के कान खड़े करने वाले साबित हो सकते हैं।

ऐसा इसलिए कि इस गठबंधन में विश्व की चौथी बड़ी शक्ति भारत बेहद मजबूत और नेतृत्वकारी स्थिति में रहेगा। लिहाजा इसका स्वरूप तय हो जाने के बाद अरब और खाड़ी के इस्लामिक देशों पर वर्चस्व की जो होड़ वैश्विक महाशक्तियों के बीच मची रहती है, उस पर एक हद तक अल्पविराम भी लगेगा।

दरअसल, हेक्सागन गठबंधन छह-पक्षीय (हेक्सागन) धुरी है जो पश्चिम एशिया में नई वैश्विक शक्ति के रूप में उभरेगी, क्योंकि भारतीय उपमहाद्वीप से भी इसे पूरी ताकत मिलेगी। यह भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (IMEC) से भी जुड़ी हुई है। वहीं इस बेमिसाल गठबंधन में भारत को प्रमुख भूमिका दी गई है, जिसमें AI, क्वांटम कंप्यूटिंग और सुरक्षा सहयोग पर फोकस होगा। जहां तक भारत की भागीदारी की बात है तो भारत अभी आधिकारिक रूप से इसमें शामिल नहीं हुआ है, लेकिन पीएम मोदी की 25-26 फरवरी 2026 को होने वाली इजरायल यात्रा के दौरान इस पर चर्चा और समझौते होने की संभावना बलवती है।

समझा जाता है कि यह 2017 के बाद पीएम मोदी की यह दूसरी बड़ी यात्रा होगी, जो पारस्परिक संबंधों को और अधिक मजबूत करेगी। वहीं नेतन्याहू ने इसे कट्टरपंथ विरोधी नई धुरी बताया है। उल्लेखनीय है कि हेक्सागन गठबंधन अभी औपचारिक रूप से अस्तित्व में नहीं आया है, लेकिन इसमें शामिल होने वाले प्रमुख देशों या समूहों में इजरायल, भारत, ग्रीस, साइप्रस, कुछ अरब राष्ट्र और अफ्रीकी देश शामिल बताए गए हैं।

इस गठबंधन का मुख्य देश इजरायल है जो गठबंधन का प्रस्तावक और केंद्र बिंदु है। जबकि भारत इसके प्रमुख भागीदार के रूप में देखा जा रहा

है, खासकर सुरक्षा और तकनीकी सहयोग के लिए। वहीं ग्रीस और साइप्रस इसके भूमध्यसागरीय रणनीतिक साझेदार देश हैं। जबकि अरब के कतिपय देश विकास और शांति समर्थक राष्ट्र के तौर पर रहेंगे। वहीं अफ्रीकी देश क्षेत्रीय स्थिरता के लिए इसमें शामिल होंगे। जबकि अन्य एशियाई देश इसमें भारत और उस जैसे सहयोगी की भूमिका में शामिल किए जाएंगे।

जहां तक हेक्सागन गठबंधन के उद्देश्य की बात है तो यह गठबंधन कट्टरपंथी शिया-सुन्नी ताकतों के खिलाफ एकजुटता का प्रयास है, जिसमें भारत-मध्य पूर्व-यूरोप गलियारे से जुड़ाव हो सकता है। वहीं इसका मुख्य ध्येय कट्टरपंथी शिया और सुन्नी ताकतों (जैसे ईरान समर्थित शिया धुरी और उभरती सुन्नी कट्टरपंथी शक्तियों) के खिलाफ एकजुट होकर क्षेत्रीय सुरक्षा, स्थिरता और आर्थिक सहयोग को मजबूत करना है।

यह गठबंधन भूमध्य सागर, मध्य पूर्व, अफ्रीका और एशिया के सहयोगी देशों को एक मंच पर लाकर कट्टरपंथ, आतंकवाद और अस्थिरता का सामना करने का एक सशक्त प्रयास है। इसमें भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (IMEC) को मजबूत करना, AI, क्वांटम तकनीक और सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देना शामिल है।

देखा जाए तो हेक्सागन गठबंधन की भावी योजनाओं से चीन के BRI जैसे प्रयासों को चुनौती मिल सकती है। इसका अपेक्षित प्रभाव यह होगा कि एक 'नई वैश्विक धुरी' बनाने का जो नेतन्याहू का विजन है, वो विकास-समर्थक राष्ट्रों को शांति और समृद्धि के लिए एकजुट करने वाला है। इसलिए भारत इसमें प्रमुख भूमिका निभा सकता है।

यही वजह है कि हेक्सागन गठबंधन से भारत को वैश्विक महाशक्ति के केंद्र के रूप में उभरने में रणनीतिक, आर्थिक और तकनीकी लाभ मिलेंगे। क्योंकि यह 'नया नाटो' जैसा समूह भारत को मध्य पूर्व-यूरोप तक सुरक्षित पहुंच प्रदान करेगा। लिहाजा, इस नई स्थिति का प्रमुख लाभ रणनीतिक ऊंचाई प्राप्त करना है।

इससे दुनिया के सबसे ताकतवर देशों में भारत की गिनती बढ़ेगी, और कट्टरपंथ और आतंकवाद के खिलाफ एक मजबूत मोर्चा बनेगा। यह इसलिए भी जरूरी है कि अमेरिका-चीन जैसे अहम वैश्विक खिलाड़ी अच्छा आतंकवाद और बुरा आतंकवाद के द्वंद्व में उलझे हुए हैं।

जहां तक भारत की आर्थिक पहुंच की बात है तो IMEC गलियारे से मिडिल ईस्ट-यूरोप तक सीधा सुरक्षित मार्ग मिलेगा, जो चीन के BRI को चुनौती देता हुआ प्रतीत होगा।वहीं भारत को तकनीकी सहयोग मिलेगा। खासकर AI, क्वांटम कंप्यूटिंग, डिफेंस (मिसाइल, ड्रोन) और सुरक्षा साझेदारी मजबूत होगी।

इसका क्षेत्रीय प्रभाव यह पड़ेगा कि अरब-अफ्रीकी देशों से भारत के संबंध मजबूत होंगे, और अमेरिका के बिना भी भारत का स्वतंत्र सुरक्षा तंत्र मजबूत बना रहेगा। वहीं अपेक्षित प्रभाव यह होगा कि पीएम मोदी की इजरायल यात्रा से ये सभी लाभ औपचारिक हो सकते हैं, जो भारत को वैश्विक पावर बैलेंस में मजबूत बनाएंगे।

सच कहूं तो हेक्सागन गठबंधन चीन के लिए चुनौती है क्योंकि यह चीन के 'वन बेल्ट वन रोड' (BRI) प्रोजेक्ट को सीधे चुनौती देगा। खासकर भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (IMEC) को मजबूत कर यह वैकल्पिक व्यापार मार्ग बनाएगा। इसका प्रमुख कारण आर्थिक प्रतिस्पर्धा है। IMEC से मिडिल ईस्ट-यूरोप तक चीन-बिना सीधा रास्ता, BRI के प्रभाव को कम करेगा। इस नए गठबंधन से चीन की रणनीतिक घेराबंदी भी आसान होगी, क्योंकि नया एशियाई-अरब-अफ्रीकी देशों का समूह चीन के मध्य पूर्व विस्तार को रोकेगा। जहां तक भारत की भूमिका की बात है तो भारत को महाशक्ति केंद्र बनाकर चीन के क्षेत्रीय वर्चस्व को चुनौती दी जा सकती है। जबकि तकनीकी व सुरक्षा के दृष्टिगत AI, क्वांटम सहयोग से चीन की तकनीकी श्रेष्ठता पर असर पड़ेगा।

जहां तक वैश्विक प्रभाव की बात है तो यह QUAD/IMEC जैसी पहलों का विस्तार बनेगा, जो चीन के विस्तारवाद को रोकने के लिए डिजाइन किया गया है। हां, हेक्सागन गठबंधन QUAD और AUKUS से स्पष्ट रूप से अलग है। यह इजरायल-प्रमुखित मध्य पूर्व-केंद्रित रणनीतिक समूह है, जबकि QUAD और AUKUS इंडो-पैसिफिक क्षेत्र पर केंद्रित हैं।

देखा जाए तो हेक्सागन गठबंधन, QUAD और AUKUS के क्षेत्र, उनमें शामिल देश, उनका उद्देश्य व प्रकृति सबकुछ अलग-अलग है। जहां तक क्षेत्र की बात है तो हेक्सागन गठबंधन मध्य पूर्व, भूमध्य सागर व अफ्रीका-एशिया में सक्रिय होगा, जबकि क्वाड गठबंधन इंडो-पैसिफिक में चीन पर फोकस करते हुए सक्रिय है, जबकि AUKUS इंडो-पैसिफिक (सुरक्षा) से जुड़ा गठबंधन है। जहां तक देशों की बात है तो हेक्सागन गठबंधन में इजरायल, भारत, ग्रीस, साइप्रस, अरब-अफ्रीकी राष्ट्र शामिल होंगे। जबकि क्वाड में भारत, अमेरिका, जापान व ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। वहीं AUKUS गठबंधन में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया व ब्रिटेन शामिल हैं।

जहां तक उद्देश्य की बात है तो हेक्सागन गठबंधन का ध्येय कट्टरपंथ विरोध, IMEC और AI-सुरक्षा है। जबकि क्वाड का ध्येय खुला हिंद महासागर व जलवायु-सहयोग हैं। वहीं AUKUS का ध्येय परमाणु पनडुब्बी व सैन्य तकनीक सहयोग है। जहां तक इन गठबंधनों की प्रकृति की बात है तो हेक्सागन गठबंधन प्रस्तावित छह-पक्षीय धुरी है। जबकि क्वाड अनौपचारिक वार्ता मंच है। वहीं AUKUS औपचारिक सैन्य गठबंधन है, जो चीनी वर्चस्व को नियंत्रित करने के लिए बनाया गया है। जहां तक इन गठबंधनों की रणनीतिक स्थिति की बात है तो हेक्सागन गठबंधन भारत को मध्य पूर्व में नई भूमिका देगा, और बिना QUAD/AUKUS के अमेरिका-केंद्रित दायरे से भी संभावित टकराव से बचते हुए हेक्सागन गठबंधन के भागीदार देश एक-दूसरे के पूरक हो सकते हैं, जो भारत-इजरायल दोनों के लिए अहम बात होगी।

बहू ने की सास की हत्या: शादी का गिरवी लॉकेट छुड़ाने के लिए 500 कम पड़ने पर हुआ था विवाद, ऐसे हुआ खुलासा

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी जिले के फूलपुर थाना क्षेत्र के कठिरांव बाजार में गिरवी रखे गए शादी के लॉकेट को छुड़ाने के लिए 500 रुपये कम पड़ने पर शुरू हुआ विवाद हत्या पर जाकर रुका। विवाद इतना बढ़ा कि नाबालिग बहू ने घर लौटते ही सास पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार कर दिया। प्राथमिकी दर्ज करने के बाद जांच में पुलिस ने 24 घंटे में आरोपी बहू को पकड़ लिया। घटनास्थल से फील्ड यूनिट ने हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी पहले ही बरामद कर ली थी। फूलपुर क्षेत्र के चौकी कठिरांव लाठियां में 25 फरवरी को आशा देवी का शव उनके घर में रक्तरंजित हालत में मिला था। पति ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

पूछताछ में नाबालिग बहू ने बताया कि उसकी सास उसे प्रताड़ित

करती थी और उसकी जमा रकम अपनी बेटी को दे देती थी। घटना के दिन दोनों भागीरथी भट्ठे से कठिरांव आईं और बैंक ऑफ बड़ौदा से दो हजार रुपये निकाले। इसके बाद सराफा की दुकान पर गिरवी रखे लॉकेट को छुड़ाने के लिए दो हजार रुपये जमा किए, लेकिन 500 रुपये कम होने के कारण लॉकेट नहीं मिल सका। इस बात को लेकर दोनों में कहासुनी हुई। घर लौटने पर विवाद बढ़ा तो आवेश में आकर उसने पास रखी कुल्हाड़ी से सास पर वार कर हत्या कर दी।

ये है पूरा मामला

थाना प्रभारी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि नियम के अनुसार कार्रवाई की गई है। बता दें कि फूलपुर थाना क्षेत्र के कठिराव गांव के लठिया पुरवे में बुधवार की शाम ईंट भट्ठे पर पथाई का काम करने वाली आशा देवी (47) की घर में कुल्हाड़ी से वार कर दर्दनाक हत्या कर दी गई। शाम को घर पहुंचने पर पति सुभाष को घटना की जानकारी हुई। पति की सूचना पर फूलपुर थाने की पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची।

घटना के दौरान बहू के साथ पड़ोसी भी था माजूद

जांच में सामने आया कि आशा के सिर पर तेज धार हथियार से वार कर उसे मौत के घाट उतारा गया है। इस मामले में पुलिस ने आशा की बहू और पड़ोस में रहने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बहू ने बुधवार को रात में ही पूछताछ में पारिवारिक झगड़े में हत्या करने की बात कबूल कर ली थी। घटना के दौरान उसके साथ पड़ोसी युवक भी मौजूद था।

बहू ने पहले की गुमराह करने की कोशिश

सुभाष वनवासी ने पुलिस को बताया कि पत्नी आशा पास के एक भट्ठे पर ईंट पथाई का काम करती थी। दोपहर में वह बाजार से घर पहुंची थी। सुभाष जब शाम को घर पहुंचा तो उसे घटना की जानकारी हुई। हत्या की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल पर साक्ष्य संकलन कर मृतका की बहू प्रीति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। पहले प्रीति ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, बाद में बताया कि उसकी सास उससे रोज लड़ाई करती थी, जिससे तंग आकर उसने पड़ोसी युवक के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई थी।

क्या है पूरा मामला

हत्या के मामले आरोपी बह को 24 घंटे के अंदर ही गिरफ्तार कर लिया गया। प्रथम दृष्ट्या पैसे के लेनदेन का मामला सामने आया है बाकी हर एंगल से मामले की जांच की जा रही है। -आकाश पटेल, डीसीपी गोमती जोन

चंद्रशेखर आजाद के शहादत दिवस पर दी श्रद्धांजलि

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। महान क्रांतिकारी व अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के 95वें शहादत दिवस के अवसर पर काकोरी-ऐक्शन शताब्दी वर्ष आयोजन समिति के आह्वान पर नगरपालिका परिषद टाउन हॉल मैदान में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में राष्ट्रवादी नौजवान सभा के कार्यकर्ताओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिए। वक्ताओं ने कहा कि चन्द्रशेखर आजाद का जन्म 23 जुलाई सन् 1906 को मध्य प्रदेश की अलीराजपुर रियासत के भावरा ग्राम में हुआ था। आदिवासी बच्चों से दोस्ती कर बचपन में ही वे पक्के निशानेबाज बन गये थे। उस समय देश भर में अंग्रेजों का अत्याचार बढ़ता ही जा रहा था। 13 अप्रैल 1919 को जलियांवाला बाग हत्याकांड ने चन्द्रशेखर आजाद के मन में जबरदस्त उथल-पुथल पैदा कर दी। इस जघन्य हत्याकांड के प्रभाव स्वरूप ब्रिटिश विरोधी आजादी आंदोलन में भाग लेने की उनकी इच्छा प्रबल हो उठी। सन् 1921 में जब असहयोग आंदोलन चल रहा था तब स्कूल कॉलेज छोड़कर भारी संख्या में छात्र और नौजवान इस आंदोलन में शामिल हो रहे थे। छात्र चंद्रशेखर आजाद भी सक्रिय वॉलंटियर के तौर पर शामिल हुए। फलस्वरूप वे गिरफ्तार हुए। अदालत में मजिस्ट्रेट के पूछे जाने पर उन्होंने अपना नाम 'आजाद', पिता का नाम 'स्वाधीनता'और घर ष्जेलखानाष बताया। इन निडर उत्तरों से चिढ़कर मजिस्ट्रेट ने 15 वर्षीय चंद्रशेखर आजाद को 15 बेतों की सजा सुनाई। तभी से वे आजाद नाम से प्रसिद्ध हो गए। 27 फरवरी 1931 को चंद्रशेखर आजाद इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में ब्रिटिश फौज से अकेले मुकाबला किया।

रिहायशी इलाके में घुसा तेंदुआ, बाथरूम में बंद कर परिवार ने बचाई जान, मोहल्ले में लोगों की लगी भीड़

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। मुरादाबाद के रामगंगा विहार स्थित हरथला गंगा मंदिर के पास एक घर में तेंदुआ घुस गया। इससे पूरे मोहल्ले में हंगामा मच गया। इसी बीच मेघराज प्रजापति के परिवार ने तेंदुए को बाथरूम में बंद कर घर से बाहर भागकर अपनी जान बचाई। इस घटना से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मची हुई है।

बृहस्पतिवार को मेघराज के परिजनों को घर के अंदर कुछ आहट महसूस हुई। जब उन्होंने देखा तो बाथरूम में एक तेंदुआ बैठा था। बिना देर किए परिवार ने बाथरूम का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। इसके बाद उन्होंने शोर मचाना शुरू किया। इसके बाद मोहल्ले के लोग इकट्ठा हो गए। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस भी मौके पर मौजूद है। वन विभाग की टीम तेंदुए को रेस्क्यू करने का प्रयास कर रही है। उधर, आशियाना में सीएल गुप्ता नेत्र संस्थान के पास भी घरों में तेंदुआ देखे जाने की सूचना है। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर तेंदुए को पकड़ने का अभियान शुरू किया है। टीम ने घर को चारों ओर से घेर लिया है ताकि तेंदुआ बाहर न निकल सके। स्थानीय पुलिस भी भीड़ को नियंत्रित करने में मदद कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि तेंदुए को बेहोश कर सुरक्षित जंगल में छोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। तेंदुए के रिहायशी इलाके में घुसने से लोगों दहशत है। लोगों को अपने घरों में रहने और बच्चों को बाहर न निकलने देने की सलाह दी गई है।

स्वास्थ्य शिविर में ग्रामीणों ने उठाया लाभ

जौनपुर। धर्मापुर ब्लॉक की गोपालापुर ग्रामसभा में पेटल हॉस्पिटल एवं आसरा फाउंडेशन के सहयोग से एक निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क चिकित्सा सेवा प्रदान करना रहा। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर स्वास्थ्य जांच और परामर्श का लाभ उठाया।शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की ओपीडी जांच की और आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। इस दौरान डॉ. डी.के. सिंह , डॉ. अभिषेक मिश्रा तथा डॉ राहुल सेठ ने मरीजों की जांच की। जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं और लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। आसरा फाउंडेशन के संयोजक सुरेश यादव ने बताया संस्था का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है।

ये हैं उरई के 'सुपर स्टूडेंट' : पंचायती राज विभाग में तैनाती, 15वीं बार दी बोर्ड परीक्षा, नवाचार में भी माहिर

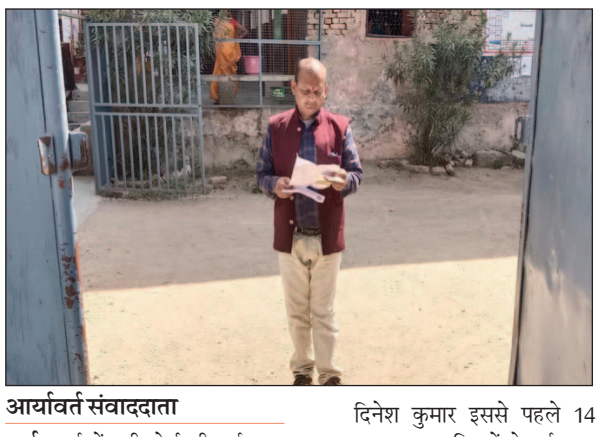

आर्यावर्त संवाददाता

उरई। उरई में यूपी बोर्ड की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षाएं जिले में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुईं। हाईस्कूल की पहली पाली में बंगला विषय की परीक्षा आर्य कन्या इंटर कॉलेज केंद्र पर आयोजित हुई। इसमें केवल एक परीक्षार्थी दिनेश कुमार शामिल हुए। खास बात यह रही कि दिनेश कुमार ने हाईस्कूल की परीक्षा 15वीं बार दी है।

दिनेश कुमार इससे पहले 14 बार अलग-अलग विषयों से हाईस्कूल की परीक्षा दे चुके हैं। उन्होंने वर्ष 1999 में छह विषयों के साथ पहली बार हाईस्कूल उत्तीर्ण किया था। इसके बाद से वह लगातार अतिरिक्त विषयों की परीक्षा देते आ रहे हैं। उर्दू, संस्कृत, पाली और गुजराती जैसे विषयों में भी वह हाईस्कूल उत्तीर्ण कर चुके हैं।

पंचायती राज विभाग में तैनात हैं दिनेश कुमार

इस वर्ष उन्होंने बंगाली भाषा में परीक्षा देकर एक अनूठी मिसाल पेश की है। दिनेश कुमार पंचायती राज विभाग में तैनात हैं। वह मूल रूप से हमीरपुर जनपद के जमखुरी गांव के निवासी हैं और वर्तमान में उरई के मोहल्ला राजेंद्रनगर में रह रहे हैं। उनके नवाचार भी चर्चा में रहे हैं।

स्कूटर तभी होगा स्टार्ट जब सिर पर होगा विशेष हेलमेट

कुछ समय पूर्व उन्होंने एक विशेष हेलमेट का आविष्कार किया था। इसमें दोपहिया वाहन तब तक स्टार्ट नहीं होता जब तक चालक हेलमेट न पहन ले। उनके इस प्रयास की तत्कालीन डीएम डॉ. मन्नान अख्तर सम्मानित कर चुके हैं वहीं मौजूदा डीएम राजेश कुमार पांडेय ने भी उनकी सराहना की है।

दिनेश की शैक्षणिक उपलब्धियां

दिनेश 14 बार हाईस्कूल, आठ बार इंटरमीडिएट, तीन बार आईटीआई के साथ बीफार्मा, ट्रिपल सी, बीए और बीएससी सहित कई डिग्रियां हासिल कर चुके हैं।

पंजीकृत 1865 परीक्षार्थियों में से 111 अनुपस्थित

इंटरमीडिएट की पहली पाली में कृषि भौतिकी व जंतु विज्ञान विषय में पंजीकृत 136 परीक्षार्थियों में से 133 उपस्थित और तीन अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में भूगोल विषय की परीक्षा 49 केंद्रों पर हुई। इसमें पंजीकृत 1865 परीक्षार्थियों में से 1754 उपस्थित रहे, जबकि 111 अनुपस्थित रहे। अनुपस्थित परीक्षार्थियों में 46 छात्र और 65 छात्राएं शामिल रहीं। डीआईओएस राजकुमार पंडित ने बताया कि कंट्रोल रूम से परीक्षा की निगरानी की गई है। परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई।

ससुराल में रह रहा युवक फांसी पर झूला

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। बक्शा थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक युवक ने अपने ससुराल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। पत्नी सुबह कमरे में लटका शव देखा तो चीख-पुकार मचाई। पड़ोसियों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान 28 वर्षीय संतोष कुमार सरोज पुत्र स्व. अच्छेलाल सरोज के रूप में हुई है। सुबह करीब 9 बजे उसका शव घर के अंदर पंखे से रस्सी के सहारे लटका मिला। घटना की जानकारी सबसे पहले उसकी पत्नी सीमा सरोज को हुई, जिन्होंने पति को इस हालत में देखा। उन्होंने पुलिस मामले की जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौपेड़वां भिजवाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू की। वह मूल रूप से सीहीपुर, थाना लाइन बाजार का निवासी था, लेकिन शादी के बाद से अपने ससुराल कौली गांव में ही रह रहा था।संतोष कुमार सरोज की शादी लगभग सात-आठ वर्ष पहले सीमा से हुई थी। पत्नी के माता-पिता की कुछ साल पहले मौत हो गई थी। पत्नी माता-पिता की इकलौती संतान थी। जिसके चलते वह अपने पिता के घर में ही रहने लगी। इसके चलते पति संतोष भी उसके साथ ही ससुराल में रहने लगा था।संतोष ने सुबह लगभग 7 बजे अपने छोटे भाई संदीप सरोज से फोन पर बात की थी। संदीप सरोज ने बताया कि उनके भाई ने सुबह सात बजे सामान्य और हंसी-मजाक के साथ बातचीत की थी।

पिता की हत्या : मेरठ के प्रेमी ने रची साजिश, लाकर दीं नींद की गोलियां, दो बेटियों ने काटा रामप्रसाद का गला

आर्यावर्त संवाददाता

मुजफ्फरनगर। भोपा के गांव मोरना में किसान रामप्रसाद (55) की हत्या के मामले में नया मोड़ आ गया है। पुलिस की जांच में सामने आया कि मृतक की नाबालिग बेटी ने नींद की गोलियां अपने प्रेमी से मंगाई थीं। प्रेमी ने ही वारदात की योजना बनाई। घटना वाले दिन व रात दोनों ने लगभग साढ़े पांच घंटे बात की थी। पुलिस ने आरोपी मेरठ के थाना दौराला के गांव पनवाड़ी निवासी रॉकी को गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले दोनों बहनों को जेल भेजा जा चुका है।

पुलिस ने हत्या का खुलासा कर दोनों आरोपियों की निशानदेही पर दो चाकू व नींद की गोली व खाली रेपर भी बरामद किया था। आरोपी बहनों ने पुलिस को बताया था कि नींद की गोली एक परिचित युवक से मंगाई थी। पुलिस ने बताया कि नाबालिग आरोपी के मोबाइल की जांच की तो उसकी घटना वाले दिन व रात में एक मोबाइल नंबर पर साढ़े पांच घंटे बात करना सामने आया। इसी आधार पर पुलिस ने युवक का पता लगाया। बृहस्पतिवार को क्षेत्र के गांव कासमपुरा चौराहा से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। न्यायालय ने उसे जेल भेज दिया। उसने योजना बनाकर नींद की गोली लाकर दी थी। इसके बाद घटना की गई।

आरोपी ने दी ये जानकारी

पुलिस ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसकी बहन मोरना में रहकर क्षेत्र के गांव भुआपुर में सीएचओ के पद पर काम करती थी। अकसर वह अपनी बहन के यहां आता जाता रहता था। इसी दौरान मोरना की रहने वाली किशोरी से उसकी मुलाकत हुई थी। उसने उसे बात करने के लिए मोबाइल दिलाया था। दोनों आपस में बात करते थे। प्रेमिका ने उससे बताया कि उसका पिता व भाई बाहर आने जाने आदि पर पाबंदी लगाते हैं।

इसके बाद उसने अपनी नाबालिग प्रेमिका व उसकी बड़ी बहन कोमल के साथ मिलकर उनके पिता रामप्रसाद की हत्या की योजना बनाई। आरोपी युवक ने बनाई योजना के अनुसार घटना से तीन-चार दिन पहले अपनी प्रेमिका को नींद की गोली के दो पत्ते लाकर दिए थे। खीर में नींद की गोलियों को मिला कर सभी परिजनों को खिलाई थी। परिजनों के अचेत होने पर दोनों बहनों ने पिता की दरांती से गला काटकर हत्या कर दी थी।

ये है मामला

23 फरवरी की सुबह मोरना गांव निवासी रामप्रसाद का शव घर के आंगन में पड़ा मिला था। परिजनों ने बदमाशों पर हत्या करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने जांच कर मृतक की दो बेटियों कोमल व उनकी नाबालिग बहन को पकड़ कर हत्या में प्रयुक्त दो चाकू व नींद की गोलियां व रेपर बरामद किए थे। दोनों बहनों ने घटना से पहले रात में खीर में नींद की गोलियां खिलाई थी। इसके बाद रात में घटना को अंजाम दिया था।

नवाचार से उद्यमी बने विद्याथी : मुकुल वेदी

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के अंतर्गत बॉयोटेक्नोलॉजी एवं बायोकेमिस्ट्री विभाग द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद से पधारे विशेषज्ञ वक्ता मुकुल वेदी ने छात्र-छात्राओं को उद्यमिता एवं नवाचार के विविध आयामों से अवगत कराया। श्री वेदी ने विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए आइडिया से बिजनेस प्लान तक की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। उन्होंने कृषि, पर्यावरण, मेडिकल डिवाइस, फूड सेक्टर, टिश्यू कल्चर, डायग्नोस्टिक किट, स्टार्टअप संस्कृति तथा नवाचार की आवश्यकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला। साथ ही उद्योग अकादमिक सहयोग में ईडीआईआई की भूमिका को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को पारंपरिक रोजगार के साथ-साथ स्वरोजगार एवं अनुसंधान आधारित स्टार्टअप की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।उन्होंने शोध, कौशल विकास, इंटर्नशिप और नेटवर्किंग के महत्व को बताते हुए कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से युवा उद्यमी वित्तीय सहायता प्राप्त कर अपने विचारों को व्यवसाय में परिवर्तित कर सकते हैं। बायोकेमिस्ट्री विभागाध्यक्ष डॉ. मनीष कुमार गुप्ता ने कहा कि ऐसे व्याख्यान विद्यार्थियों को नई दिशा एवं दृष्टि प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के संयोजक विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. राजेश शर्मा ने स्मृति चिन्ह भेंट कर श्री मुकुल वेदी का आभार व्यक्त किया तथा धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस व्याख्यान से विद्यार्थियों को उद्यमिता की समझ विकसित करने में विशेष सहायता मिलेगी।

संगठन की रीढ़ होते हैं सदस्य: संजय अस्थाना

जौनपुर। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उ. प्र. की पूर्व निर्धारित बैठक कलेक्ट्रेट स्थित पत्रकार संघ भवन में जिलाध्यक्ष संजय अस्थाना की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए श्री अस्थाना ने कहा कि किसी भी संगठन में कोई छोटा या बड़ा नहीं होता, बल्कि वह एक परिवार की तरह कार्य करता है। संगठन की मजबूती उसके सक्रिय और समर्पित सदस्यों पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि किसी भी संघ या संगठन की वास्तविक रीढ़ उसके सदस्य ही होते हैं, इसलिए सभी की सहभागिता और एकजुटता आवश्यक है। संरक्षक मंडल के जय आनन्द, श्याम रतन श्रीवास्तव, मंडल पदाधिकारी प्रदीप पांडेय तथा दया शंकर निगम ने भी अपने विचार व्यक्त किए और संगठन को मजबूत बनाने पर बल दिया।महासचिव लक्ष्मी नारायण मौर्या, आशीष पांडेय एवं विवेक श्रीवास्तव के सहयोग से उपस्थित पदाधिकारियों को आई-कार्ड वितरित किए गए।

सपा पूर्व सांसद एसटी हसन के समधी की फैक्टरियों पर आयकर का डेरा, चौबीस घंटे से खंगाले जा रहे रिकॉर्ड

आर्यावर्त संवाददाता

रामपुर। रामपुर के दो बड़े कारोबारियों की तीन प्लाईवुड फैक्टरियों पर बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे से आयकर की टीमों डेरा डाले हुए हैं। इन फैक्टरियों में लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को भी जांच जारी रही। मालिक नईम खां उर्फ बबलू और मुन्नन खां समेत फर्मों से जुड़े अन्य प्रमुख लोगों से पूछताछ भी की गई है। नईम खां उर्फ बबलू मुरादाबाद के पूर्व सांसद एवं सपा नेता डॉ. एसटी हसन के समधी हैं।

आयकर टीमें फैक्टरी के भीतर तमाम दस्तावेज खंगालती रहीं। इन फैक्टरियों में दाखिल होने या बाहर जाने पर रोक लगाए रखी। टीमों के साथ आई सीआरपीएफ गेट से लेकर भीतर तक मुस्तैद रही। ये फैक्टरियां रामपुर के बघी औद्योगिक क्षेत्र में

स्थित हैं। नौ गाड़ियों से बड़ी संख्या में आए आयकर अधिकारियों ने औद्योगिक क्षेत्र में पहुंचते ही तीनों फैक्टरियों के बीच टीमों का बंटवारा कर लिया और एनजी प्लाईवुड, एमएन इंडस्ट्रीज, एमआई इंडस्ट्रीज के परिसरों में दाखिल हो गईं।

तीनों फैक्टरियों के मालिक नईम खां उर्फ बबलू और मुन्नन खां गहरे दोस्त और कारोबारी पार्टनर हैं। सूत्रों ने इस कार्रवाई को आयकर सर्वे बताया है। इस दौरान फैक्टरियों से जुड़ी खरीद-फरोख्त, कारोबारी लेनदेन, भुगतान संबंधी सभी रिकॉर्ड की गहनता से जांच की गई। कुछ दस्तावेजों को जांच टीमों द्वारा कब्जे में लेने की बात भी कही जा रही है।

नामचीन परिवारों के परिसरों में आयकर की जांच के दायरे में आने की बात जैसे-जैसे शहर में फैली, अन्य बड़े उद्यमियों और कारोबारियों में हड़कंप मचता चला गया। इन परिवारों से जुड़े तमाम लोगों को कुछ उद्यमियों ने फोन भी मिलाए लेकिन कॉल अटैंड नहीं हुई।

जांच में लगे आयकर अधिकारियों ने मीडिया से दूरी बनाए रखी। माना जा रहा है कि आयकर अधिकारी जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद ब्रीफिंग करेंगे। उसके बाद स्पष्ट होगा कि इस जांच में आयकर विभाग टीम ने परिसर में मौजूद रिकार्ड को किस उद्देश्य से खंगाला है।

पहले ईडी और फिर आयकर छापे की रही चर्चा

रामपुर में बृहस्पतिवार सुबह से आयकर टीमों की सक्रियता के दौरान शुरुआती घंटों में ईडी के छापे की चर्चा फैली रही। बाद में इस कार्रवाई को आयकर का छापा बताया गया, हालांकि रात में विभागीय सूत्रों ने इसे आयकर सर्वे बताया। कुछ समय तक स्थानीय प्रशासन भी इस कार्रवाई से अंजान रहा। बाद में एक प्रशासनिक अफसर ने दिल्ली से आई आयकर टीमों द्वारा फर्मों में जांच की बात कही। टीमों ने स्थानीय पुलिस की भी कोई मदद नहीं ली। साथ आई सीआरपीएफ टीमें ही मुस्तैद रहीं।

नए यमुना पुल पर डिवाइडर से टकराई बेकाबू बाइक, युवक की मौत

प्रयागराज। नया यमुना पुल पर बृहस्पतिवार देर रात एक सड़क हादसे में 25 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब युवक कोचिंग से घर लौट रहा था। मृतक की पहचान अजय पांडेय (25) निवासी नई बस्ती नैनी के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक अजय देर रात कोचिंग से बाइक से घर वापस आ रहा था। इसी दौरान नए यमुना पुल पर उसकी बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि वह गंभीर रूप से घायल हो गया और घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। मौके पर पहुंची पुलिस मृतक की शिनाख्त कराकर परिजनों को जानकारी दी। पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बदलते मौसम में इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए इन चीजों का करें सेवन, दूर रहेंगी बीमारियां

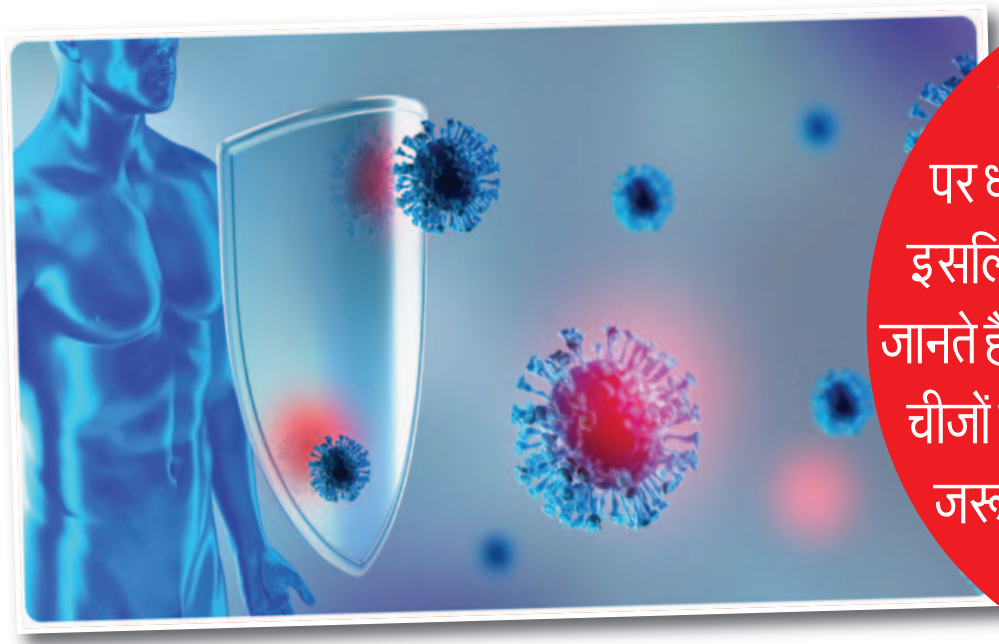

बदलते मौसम में अपनी इम्यूनिटी पर ध्यान देना बहुत जरूरी होता है। इसलिए आइए इस लेख में डॉक्टर से जानते हैं कि इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए किन चीजों को डाइट में शामिल करना बहुत जरूरी है। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं।

ठंड का मौसम धीरे-धीरे जा रहा है, बहुत से लोग अब रात में पंखा चलाकर सोना शुरु कर चुके हैं। ऐसे मौसम में बदलाव आते ही हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी 'इम्यूनिटी' पर सबसे ज्यादा दबाव पड़ता है। जैसे ही तापमान में उतार-चढ़ाव होता है, हवा में वायरस और बैक्टीरिया सक्रिय हो जाते हैं, जिससे सर्दी, जुकाम और फ्लू जैसी बीमारियां घर-घर पहुंचने लगती हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार एक मजबूत इम्यून सिस्टम न सिर्फ बाहरी कीटाणुओं से ही नहीं लड़ता, बल्कि शरीर के अंदरूनी अंगों की कार्यक्षमता को भी बेहतर बनाता है। इम्यूनिटी बढ़ाना कोई रातों-रात होने वाला चमत्कार नहीं है, बल्कि यह आपकी दैनिक खान-पान की आदतों और जीवनशैली पर निर्भर करता है। बदलते मौसम में उन फूड प्रोडक्ट को डाइट में शामिल करना बहुत जरूरी होता है जो आपकी इम्यूनिटी को बढ़ा सके। इसलिए आइए इस लेख में डॉक्टर से जानते हैं कि किन चीजों को डाइट में शामिल करने से आपकी इम्यूनिटी मजबूत होगी।

विटामिन-C और खट्टे फलों की शक्ति

हमने इस विषय में कुशीनगर के निजी अस्पताल में काम कर रहे डॉक्टर रवि कुशवाहा से बात की। उन्होंने बताया कि इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए विटामिन-C से भरपूर चीजों को डाइट में शामिल करना बहुत जरूरी है। डॉक्टर से मुताबिक संतरा, नींबू, आंवला और कीवी जैसे फल सफेद रक्त कोशिकाओं के उत्पादन को बढ़ाते हैं, जो संक्रमण से लड़ने में मुख्य भूमिका निभाती हैं।

ये फल न सिर्फ शरीर को हाइड्रेटेड रखते हैं, बल्कि एंटीऑक्सीडेंट्स के जरिए फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान को भी रोकते हैं। डॉक्टर ने ये भी कहा बहुत से लोगों को मालूम होने के बावजूद नींबू और आंवला से बचते हैं, ऐसे में रोजाना दो आंवले का जूस और रोज सुबह नींबू पानी पीनी अपनी दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं। ये आदत आपकी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

अदरक, लहसुन और हल्दी

डॉक्टर रवि के मुताबिक भारतीय मसालों में छिपे औषधीय गुण इम्यूनिटी के लिए 'पावरहाउस' हैं। अदरक में 'जिंजरॉल' और हल्दी में 'करक्यूमिन' होता है, जो शरीर की सूजन को कम करते हैं और गले के संक्रमण से राहत दिलाते हैं। वहीं लहसुन में मौजूद 'एलिसिन' शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता को दुगना कर देता है। रात को सोने से पहले गुनगुने दूध में आधा चम्मच हल्दी मिलाकर पीना शरीर की थकान और कमजोरी दूर करने का सबसे पुराना और कारगर नुस्खा है।

प्रोबायोटिक्स और ड्राई फ्रूट्स का महत्व

हमारा 70% इम्यून सिस्टम आंतों से जुड़ा होता है। दही और छाछ जैसे प्रोबायोटिक खाद्य पदार्थ आंतों में अच्छे बैक्टीरिया की संख्या बढ़ाते हैं, जिससे पाचन तंत्र मजबूत होता है और बीमारियां दूर रहती हैं। इसके अलावा बादाम और अखरोट जैसे ड्राई फ्रूट्स में विटामिन-E और हेल्दी फैट्स होते हैं, जो कोशिकाओं को मजबूती प्रदान करते हैं। चिया सीड्स और अलसी के बीज भी ओमेगा-3 फैटी एसिड का बेहतरीन स्रोत हैं, जो शरीर की अंदरूनी रिकवरी में मदद करते हैं।

संतुलित जीवनशैली है जरूरी

डॉक्टर रवि बताते हैं कि अच्छे खान-पान के साथ-साथ पर्याप्त नींद और नियमित व्यायाम भी इम्यूनिटी के लिए जरूरी है। कम से कम 7-8 घंटे की नींद शरीर को खुद को रिपेयर करने का समय देती है। डॉक्टर ने सुझाव दिया कि तनाव से बचें और खूब पानी पिएं ताकि शरीर के टॉक्सिन्स बाहर निकल सकें। ध्यान रखें इम्यूनिटी बढ़ाना एक लंबा चलने वाली प्रक्रिया है, इसलिए बदलते मौसम में इन आदतों को अपनी स्थाई जीवनशैली का हिस्सा बनाएं।

होली में गुजिया-ठंडाई के सेवन से बढ़ेगा वजन? जानिए इसे हेल्दी बनाने के तरीके

गुजिया हो या ठंडाई, दोनों में ही कैलोरी की मात्रा ज्यादा होती है। इनका ज्यादा सेवन वजन बढ़ा सकता है। लेकिन त्योहार में इन दोनों पारंपरिक चीजों का सेवन बढ़ जाता है, ऐसे में वजन को काबू में रखने के लिए कुछ टिप्स दिए जा रहे हैं।

होली का नाम आते ही दिमाग में रंग, मस्ती, गुझिया और ठंडाई की तस्वीर बन जाती है। लेकिन त्योहार की मिठास कई बार अतिरिक्त कैलोरी के रूप में शरीर पर दिखने लगती है। अच्छी खबर यह है कि थोड़ी-सी समझदारी से आप स्वाद भी बनाए रख सकते हैं और कैलोरी भी कंट्रोल कर सकते हैं।

होली का मतलब सिर्फ ज्यादा खाना नहीं, बल्कि खुश रहना है। अगर आप थोड़ी-सी प्लानिंग और पोर्शन कंट्रोल अपनाते हैं तो बिना गिल्ट के गुजिया और ठंडाई का आनंद ले सकते हैं। इस होली, रंग भी उड़ाएं और कैलोरी भी कंट्रोल में रखें। आइए जानते हैं होली पर हेल्दी फूड विकल्प के आसान और असरदार तरीके।

क्यों जरूरी है कैलोरी कंट्रोल?

पारंपरिक तली हुई गुजिया में प्रति पीस लगभग 150-250 कैलोरी हो सकती है।

शक्कर और ड्राई फ्रूट्स वाली ठंडाई का एक गिलास 250-400 कैलोरी तक पहुंच सकता है।

लगातार स्नैकिंग से दिनभर में 1000 से ज्यादा अतिरिक्त कैलोरी हो सकती है।

गुजिया में कैलोरी कंट्रोल कैसे करें?

डीप फ्राई की जगह बेक या एयर फ्राई

होली है, गुजिया खाना तो बनता है लेकिन सेहत की भी फिक्र है तो गुजिया को ओवन या एयर फ्रायर में बनाएं। इससे 30-40 फीसदी तक तेल कम हो सकता है।

मैदा की जगह मल्टीग्रेन या गेहूं का आटा

मल्टीग्रेन से फाइबर बढ़ेगा, पाचन बेहतर रहेगा और ब्लड शुगर स्पाइक कम होगा। मैदा वजन बढ़ाता है और पाचन को बिगाड़ सकता है।

स्टफिंग में हेल्दी बदलाव

गुजिया की स्टफिंग करते समय खोया कम, ड्राई फ्रूट्स संतुलित मात्रा में भरें। नारियल, तिल और चिया सीड्स मिलाएं। शक्कर की जगह गुड़ पाउडर या नारियल शुगर मिलाएं।

पोर्शन कंट्रोल

वजन काबू में रखना है तो एक गुजिया काफी है। इस मंत्र को याद रखें। छोटे आकार की गुजिया बनाएं ताकि मात्रा अपने आप नियंत्रित हो।

ठंडाई में कैलोरी कैसे कम करें?

फुल क्रीम दूध की जगह लो-फैट या बादाम दूध का इस्तेमाल करें। इससे कैलोरी और फैट दोनों कम होंगे।

ठंडाई में शक्कर कम रखें लेकिन स्वाद बरकरार रखना है तो स्टीविया या खजूर पेस्ट इस्तेमाल करें। मसालों में इलायची, सौंफ और काली मिर्च से फ्लेवर बढ़ाएं।

ड्राई फ्रूट्स का संतुलन रखें। बादाम-काजू ज्यादा डालने से कैलोरी बढ़ती है। मात्रा नापकर डालें।

सेवन के लिए छोटे गिलास का नियम बनाएं। बड़ा गिलास नहीं, छोटा सर्विंग लें। धीरे-धीरे पिएं, इससे आनंद ज्यादा मिलेगा।

हेल्दी होली स्नैक्स आइडिया

भुने चने और मखाने
स्प्राउट सलाद
दही चाट (कम मीठी चटनी के साथ)
फ्रूट चाट
नारियल पानी या छाछ

वजन घटाने की कोशिश करने के बावजूद नहीं हो रहा फायदा? हो सकते हैं ये कारण

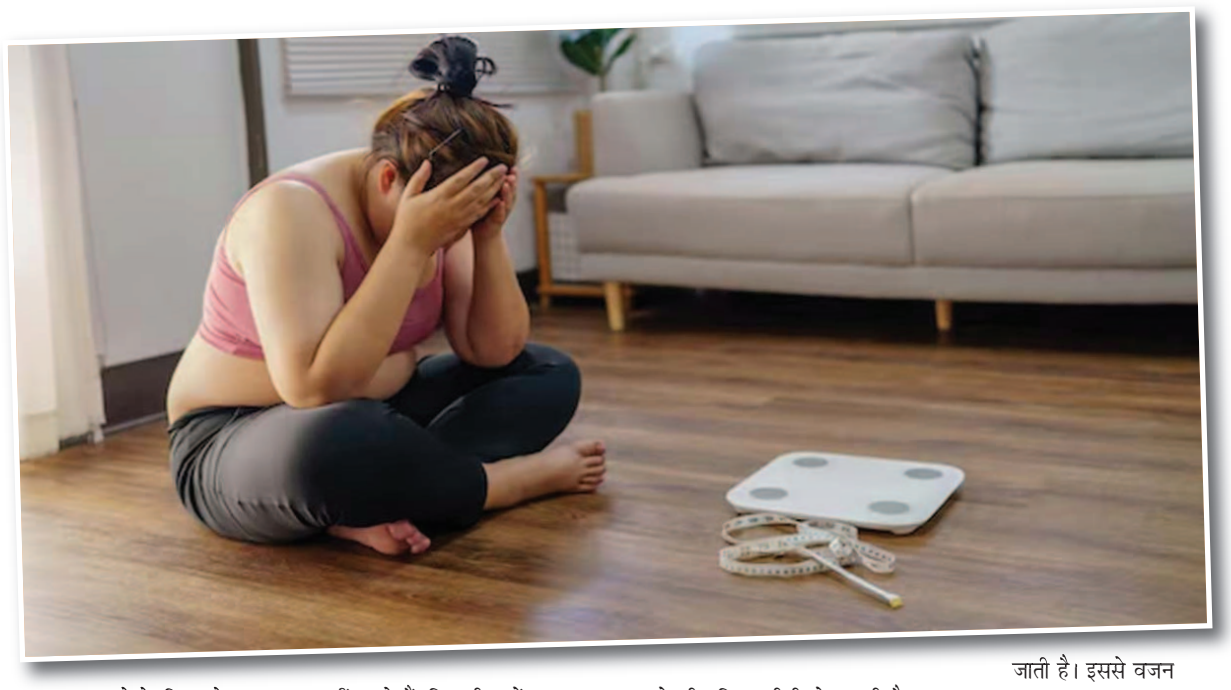

वजन घटाने के लिए लोग क्या-क्या नहीं करते हैं, फिर भी उन्हें मनचाहा परिणाम नहीं मिल पाता है। अगर आप भी वजन घटाने की कोशिश कर रहे हैं और आपको लगता है कि आप सही दिशा में काम कर रहे हैं, फिर भी कुछ खास नतीजे नहीं मिल रहे हैं तो आपकी असफलता की वजहें छिपी हुई हो सकती हैं। आइए आज हम आपको कुछ छिपी हुई वजहों के बारे में बताते हैं।

पूरी नींद न लेना

नींद पूरी न होने से वजन कम करने की कोशिशों में रुकावट आ सकती है। जब आप पर्याप्त नींद नहीं लेते तो आपका शरीर हार्मोनल गड़बड़ी का शिकार हो सकता है, जिससे भूख और खाने की इच्छा बढ़ जाती है। इसके अलावा नींद पूरी न होने से शरीर की ऊर्जा खर्च करने की क्षमता कम हो जाती है। इससे वजन घटाने की प्रक्रिया धीमी हो सकती है।

ज्यादा तनाव लेना

अगर आप रोजाना किसी न किसी कारण से तनाव लेते हैं तो यह भी वजन घटाने की प्रक्रिया में रुकावट डाल सकता है। तनाव के कारण शरीर में कुछ हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है, जिससे भूख और खाने की इच्छा बढ़ जाती है। इसके अलावा तनाव से शरीर में चर्बी जमा होने की प्रवृत्ति भी बढ़ जाती है, जिससे वजन घटाने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है।

पानी की कमी

शरीर में पानी की कमी भी वजन घटाने की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। अगर आप रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पी रहे हैं तो आपको वजन घटाने में दिक्कत आ सकती है। पानी की कमी से शरीर की ऊर्जा खर्च करने की क्षमता कम हो जाती है। इसके अलावा पानी की कमी से शरीर में गंदगी बाहर निकालने की क्षमता भी कम हो जाती है।

पोषक तत्वों की कमी

अगर आपकी खाने की आदतों में जरूरी पोषक तत्वों की कमी है तो वजन कम करने की कोशिशें बेकार हो सकती हैं। पोषक तत्वों की कमी से शरीर में जरूरी विटामिन और मिनरल्स की कमी हो सकती है, जिससे वजन घटाने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। इसके अलावा पोषक तत्वों की कमी से शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता भी कम हो जाती है। इसलिए वजन घटाने के लिए पोषक तत्वों से भरपूर आहार लें।

एक्सरसाइज न करना

अगर आप वजन घटाने के लिए केवल खान-पान पर ध्यान दे रहे हैं तो यह गलती हो सकती है। वजन कम करने के लिए खान-पान के साथ-साथ एक्सरसाइज करना भी जरूरी है। एक्सरसाइज से शरीर में रक्त का बहाव बेहतर होता है और शरीर की मांसपेशियों को मजबूती मिलती है। इसके अलावा एक्सरसाइज से शरीर से गंदगी बाहर निकल जाती है, जिससे वजन घटाने की प्रक्रिया तेज हो जाती है।

क्या पिता एक बेटे के नाम कर सकता है पूरी संपत्ति? यहां जानिए इस सवाल का सही जवाब

संपत्ति को लेकर विवाद वर्षों से चले आ रहे हैं। ऐसे में लोगों के मन में एक बार ये ख्याल अवश्य आता है कि क्या कोई पिता अपने बच्चे को प्रॉपर्टी से बेदखल कर सकता है? इस मामले में नियम क्या कहते हैं आइए जानते हैं।

अक्सर आपने फिल्मों और टीवी सीरियलों में देखा होगा कि गुस्से में या किसी पारिवारिक विवाद के दौरान पिता अपनी पूरी संपत्ति सिर्फ एक बेटे को देकर बाकी बच्चों को बेदखल कर देता है। ये दृश्य देखने में तो मनोरंजक होता है, लेकिन बहुत से लोगों के मन में यह सवाल उठता है कि क्या वास्तव में भारतीय कानून के तहत ऐसा संभव है? क्या एक पिता बिना किसी वजह अपने एक बेटे को सब कुछ देकर बाकी बच्चों को पूरी तरह हटा सकता है?

इस लेख में हम इस बात को कानूनी दृष्टि से समझेंगे और बताएंगे कि वास्तविक जीवन में पिता की संपत्ति के बंटवारे पर क्या नियम लागू होते हैं। उत्तराधिकारी कानून से लेकर पैतृक और स्वयं अर्जित संपत्ति तक, हम विस्तार से जानेंगे कि पिता के पास कितनी स्वतंत्रता होती है और किन परिस्थितियों में वह संपत्ति किसी एक ही वारिस को दे सकता है।

पहले जान लें कितने प्रकार की होती है संपत्ति ?

भारतीय कानून में संपत्ति दो प्रकार की मानी जाती है: पैतृक संपत्ति और स्वयं अर्जित संपत्ति। पैतृक संपत्ति वह होती है जो परिवार में पीढ़ियों से बिना विभाजन के आई हो। वहीं अगर संपत्ति स्वयं अर्जित की हुई हो, जैसे पिता ने खुद कमाई से लिया घर या जमीन, तो उसे स्वयं अर्जित संपत्ति कहते हैं।

क्या है भारतीय कानून में नियम?

भारतीय कानून, विशेषकर हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 के तहत वारिसों के अधिकारों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करता है। यदि पिता बिना वसीयत छोड़े मर जाता है, तो उसकी संपत्ति क्लास I उत्तराधिकारी के बीच समान रूप से बांट दी जाती है, जिसमें पत्नी, पुत्र, पुत्री सभी शामिल होते हैं। सभी में समान रूप से संपत्ति का बंटवारा होता है।

अगर संपत्ति पैतृक है तो?

अगर जान लेते हैं कि अगर पिता के नाम कोई ऐसी संपत्ति है, जो पीढ़ियों से बाद उनके नाम आई हो तो ऐसे में पिता उसे किसी एक बच्चे को पूरी तरह देने में स्वतंत्र नहीं होता। इस संपत्ति को पिता को सभी बच्चों में बराबर भागों में ही बांटना पड़ेगा। अगर वो संपत्ति को किसी एक के नाम करने की कोशिश करते हैं तो बाकि बच्चे उनके खिलाफ कानूनी सहायता ले सकते हैं।

अगर एक बच्चे को देनी है प्रॉपर्टी तो क्या करें ?

जब पिता अपनी स्वयं अर्जित संपत्ति को किसी एक बेटे को देना चाहता है, तो सबसे सुरक्षित तरीका वसीयत बनाना है। वसीयत वह कानूनी दस्तावेज़ है जिसमें संपत्ति किसे और कितने हिस्से में मिलेगी, स्पष्ट रूप से लिखा जाता है और यह नोटरी या रजिस्ट्रार के पास रजिस्टर्ड होता है। अगर पिता अपनी इच्छा को वसीयत में स्पष्ट रूप से लिख देता है, तो वह अदालत में भी मान्य होता है। वसीयत बनाते समय ध्यान रखें कि पैतृक संपत्ति से भी किसी एक बच्चे को पूरी तरह बाहर नहीं किया जा सकता, क्योंकि कानून के तहत सभी वारिसों को उनका हिस्सा प्राप्त होता है।

आईडीएफसी के बाद अब यश बैंक में गड़बड़ी, लाखों ग्राहकों का डेटा खतरे में, आरबीआई ने तलब किए वरिष्ठ अधिकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईडीएफसी फस्ट बैंक के बाद अब यस बैंक में भी गंभीर गड़बड़ियों का मामला सामने आया है। यस बैंक-क्चशशद्मरू4स्नशह्मद्द& मल्टी-करेंसी फॉरेक्स कार्ड से जुड़े एक बड़े डेटा ब्रीच के बाद भारतीय रिजर्व बैंक (क्रक्चढ्ढ) ने बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों को तलब किया है। इस घटना में कई ग्राहकों के कार्ड डिटेल्स और ष्टङ्कङ्क नंबर हैक होने की आशंका जताई गई है। आरबीआई ने बैंक से विस्तृत जानकारी मांगी है कि उसके सिस्टम में सेंध कैसे लगी और किन परिस्थितियों में ग्राहकों का संवेदनशील डेटा लीक हुआ।

डेटा लीक की क्या है पूरी जानकारी?

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आरबीआई यह स्पष्ट करना चाहता है कि ष्टङ्कङ्क सहित कितना संवेदनशील कार्ड डेटा प्रभावित हुआ और इसे रोकने के लिए तत्काल क्या कदम उठाए गए। हालांकि, यस बैंक ने आरबीआई के सवालों पर सार्वजनिक रूप से कोई विस्तृत प्रतिक्रिया नहीं दी है। बैंक की आंतरिक जांच में 24 फरवरी को एक लैटिन अमेरिकी देश में 15 मर्चेंट्स से जुड़े संदिग्ध फ्रॉड ट्रांजैक्शन सामने आए। लगभग 5,000 ग्राहकों के बीच 2.54 करोड़ रुपये के ट्रांजैक्शन को मंजूरी दी गई, जबकि 90 लाख रुपये के 688 अनधिकृत ट्रांजैक्शन प्रयासों को समय रहते ब्लॉक कर दिया गया।

ग्राहकों के नुकसान की भरपाई की तैयारी

बैंक ने कहा है कि वह कार्ड नेटवर्क के साथ मिलकर चार्जबैक प्रक्रिया शुरू कर रहा है, ताकि प्रभावित ग्राहकों को किसी भी तरह का वित्तीय नुकसान न उठाना पड़े। वहीं, बुकमायफॉरेक्स ने स्पष्ट किया है कि वह ग्राहकों की संवेदनशील कार्ड जानकारी स्टोर नहीं करता। कंपनी के मुताबिक, संबंधित अवधि के दौरान उसके सिस्टम में न तो कोई सेंध लगी और न ही कोई डेटा कॉम्प्रोमाइज हुआ।

आरबीआई ने मांगी ये अहम जानकारियां

आरबीआई ने बैंक से यह भी पूछा है कि:

संवेदनशील कार्ड डेटा (विशेषकर ष्टङ्कङ्क) को कैसे स्टोर और सुरक्षित रखा गया था?

क्या एनक्रिप्शन और अन्य सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया गया था?

मौजूदा साइबर सुरक्षा सिस्टम इस एक्सपोजर को रोकने में क्यों विफल रहे?

घटना की डिटेक्शन और रिपोर्टिंग की टाइमलाइन क्या रही?

थर्ड-पार्टी रिस्क मैनेजमेंट और निगरानी तंत्र कितना मजबूत था?

प्रभावित ग्राहकों की कुल संख्या कितनी है?

कार्ड ब्लॉक करने, दुरुपयोग रोकने और नुकसान कम करने के लिए क्या कदम उठाए गए?

'अब दमा-दम मस्त कलंदर होगा', अफगानिस्तान को रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की धमकी, खुली जंग का एलान

इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान के हमलों के बाद तिलमिलाए पाकिस्तान ने खुली जंग का एलान कर दिया है। पाकिस्तानी सेना ने अफगानिस्तान के कंधार और काबुल सहित कई प्रमुख शहरों पर बमबारी की। करीब दो घंटे तक चले हवाई हमलों में पाकिस्तान ने 133 अफगान लड़कों को मारने का दावा किया है। इस बीच पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा एम. आसिफ ने तालिबान को सोशल मीडिया पर कड़ी चेतावनी देते हुए उसे भारत का मोहरा तक बता दिया।

पाकिस्तान ने ऑपरेशन 'गजब-लिल-हक' में 133 की मौत का दावा किया है। 200 से अधिक घायल हुए हैं। जियो न्यूज के अनुसार इन अभियानों में तालिबान के 27 ठिकाने नष्ट कर दिए गए हैं और नौ ठिकानों पर कब्जा कर लिया गया है।

'अब दमा-दम मस्त कलंदर होगा', रक्षा मंत्री की धमकी

अपने एक्स पोस्ट में अफगानिस्तान को धमकी देते हुए पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने खुली जंग का एलान किया। साथ ही धमकी भरा बयान जारी करते हुए कहा कि हमारे सब्र का प्याला भर चुका है। अब हमारे और आपके बीच खुला युद्ध छिड़ गया है। अब दमा दम मस्त कलंदर होगा। इतना ही नहीं उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान की सेना समुद्र पार से नहीं आई है। हम आपके पड़ोसी हैं, हम आपकी हर छोटी-बड़ी बात जानते हैं।

तालिबान सरकार पर साधा निशाना

तालिबान को लेकर अपने पोस्ट में रक्षा मंत्री ने कहा कि नाटो बलों की वापसी के बाद उम्मीद की जा रही थी कि अफगानिस्तान में शांति होगी और तालिबान अफगान जनता के हितों और क्षेत्र में शांति पर ध्यान केंद्रित करेगा। ख्वाजा ने आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने (तालिबान) दुनिया भर के आतंकवादियों को अफगानिस्तान में इकट्ठा किया और आतंकवाद का निर्यात शुरू कर दिया। उन्होंने अपने ही लोगों को बुनियादी मानवाधिकारों से वंचित कर दिया। उन्होंने महिलाओं को इस्लाम द्वारा दिए गए अधिकारों को छीन लिया।

अपने पोस्ट में रक्षा मंत्री ने क्या लिखा?

रक्षा मंत्री ने पोस्ट करते हुए लिखा- 'नाटो सेनाओं के जाने के बाद उम्मीद थी कि अफगानिस्तान में शांति होगी और तालिबान अफगान लोगों के फायदे और इलाके में शांति पर ध्यान देगा। लेकिन, तालिबान ने अफगानिस्तान को भारत की कॉलोनी बना दिया। उन्होंने दुनिया के सभी आतंकवादियों को अफगानिस्तान में इकट्ठा किया और आतंकवाद का एक्सपोर्ट करना शुरू कर दिया। उन्होंने अपने ही लोगों को बुनियादी मानवाधिकारों से वंचित कर दिया। उन्होंने इस्लाम में महिलाओं को दिए गए अधिकार छीन लिए।' उन्होंने आगे लिखा- 'पाकिस्तान ने सीधे तरीकों से और दोस्त देशों के जरिए हालात सामान्य रखने की पूरी कोशिश की। उसने पूरी कूटनीति की। लेकिन तालिबान भारत का प्रतिनिधि बन गया। आज, जब पाकिस्तान पर हमला करने की कोशिश हो रही है, अल्हम्दुलिल्लाह, हमारी सेना इस समय जबरदस्त जवाब दे रही है। पहले पाकिस्तान का रोल सकारात्मक रहा है। उसने 50 साल तक 50 लाख अफगानों को पनाह दी है। आज भी लाखों अफगान हमारी जमीन पर अपनी रोजी-रोटी कमा रहे हैं। हमारे सब्र का प्याला भर गया है। अब हमारे और तुम्हारे बीच खुली जंग है। अब यह 'दमा दम मस्त कलंदर' होगा।' अंत में उन्होंने लिखा-'पाकिस्तान की सेना समुद्र पार से नहीं आई है। हम आपके पड़ोसी हैं; हम आपके अंदर और बाहर की बातें जानते हैं। अल्लाहु अकबर।'

अब तक क्या-क्या हुआ ?

पाकिस्तान ने काबुल और कंधार सहित अफगानिस्तान के प्रमुख शहरों पर हवाई हमले किए, जिससे तालिबान सरकार की ओर से नई जवाबी कार्रवाई शुरू हो गई।

अफगान सेना ने पाकिस्तानी सैनिकों पर सीमा पार हमले किए, जिन्हें उन्होंने पहले हुए घातक हवाई हमलों की जवाबी कार्रवाई बताई।

काबुल ने दावा किया कि डूरंड लाइन के साथ चार घंटे के अभियान में 55 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। दावा किया कि दो बेस और 19 चौकियों पर कब्जा कर लिया गया।

तालिबान सरकार ने यह भी कहा कि नंगरहार में एक शरणार्थी शिविर पर मिसाइल हमले में आठ अफगान लड़ाके मारे गए और 11 घायल हो गए। आरोप लगाया कि 13 नागरिक घायल हुए।

पाकिस्तान ने इन आंकड़ों पर आपत्ति जताई सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने कथित तौर पर कहा कि केवल दो पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और तीन घायल हुए।

पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार इस्लामाबाद ने दावा किया है कि कम से कम 133 अफगान लड़ाके मारे गए और 200 से अधिक घायल हुए, और कहा कि 27 अफगान चौकियों को नष्ट कर दिया गया और नौ पर कब्जा कर लिया गया।

ये भी पढ़ें: 132 साल पुराना 'डूरंड लाइन' विवाद: क्या पाकिस्तान-अफगानिस्तान के हालिया तनाव की है मुख्य वजह? 10 बड़ी बातें

पाकिस्तान ने ऑपरेशन गजब-लिल-हक शुरू किया, जिसे उसने सीमा चौकियों पर तालिबान के कथित हमलों के बाद जवाबी कार्रवाई बताया।

रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने खुली जंग की घोषणा करते हुए कहा कि हमारे धैर्य की सीमा समाप्त हो गई है। अब हमारे और आपके बीच खुला युद्ध है।

132 साल पुराना 'डूरंड लाइन' विवाद : क्या पाकिस्तान–अफगानिस्तान के हालिया तनाव की है मुख्य वजह ? 10 बड़ी बातें

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच गुरुवार को सीमा विवाद बढ़ने के बाद जंग शुरू हो चुकी है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन 'गजब-लिल-हक' शुरू किया, जिसमें काबुल, पक्तिया और कंधार जैसे शहरों में कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया है। इससे पहले अफगानिस्तान में तालिबान प्रशासन ने दावा किया था कि उसने बड़े पैमाने पर हवाई हमलों में 55 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया और 19 पाकिस्तानी चौकियों पर कब्जा कर लिया है।

गुरुवार को इससे पहले तालिबान बलों ने दोनों देशों के बीच सीमा पर स्थित डूरंड लाइन के साथ तैनात पाकिस्तानी सैनिकों पर हमला किया था, जिसे उन्होंने पहले हुए घातक हमलों का प्रतिशोध बताया था। डूरंड रेखा एक विवादास्पद सीमा बनी हुई है, क्योंकि अफगानिस्तान ने इसे कभी भी औपचारिक रूप से मान्यता नहीं दी है।

ऐसे में जानिए आखिर क्या है पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा विवाद? जिसको लेकर दोनों देश एक दूसरे के खिलाफ खुली जंग में उतर आए हैं।

दरअसल, ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के दौरान खींची गई विवादित सीमा रेखा 'डूरंड लाइन' समय-समय पर दोनों देशों के बीच गोलीबारी और राजनयिक तनाव का केंद्र बनी हुई है। डूरंड लाइन को लेकर लंबे समय से विवाद जारी है। दोनों देश एक-दूसरे पर हमले और आतंकियों को छिपाने का आरोप लगाते रहते हैं। 2021 में अफगानिस्तान हुकूमत पर तालिबान के नियंत्रण के बाद से तनाव और बढ़ गया है। औपनिवेशिक डूरंड रेखा आज भी पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच शत्रुता को बढ़ावा दे रही है। 1893 में ब्रिटिश भारत और अफगानिस्तान के बीच सीमा के रूप में खींची गई डूरंड रेखा, पश्तून जातीय क्षेत्रों को दो भागों में बांटती है। अफगानिस्तान ने इसे कभी मान्यता नहीं दी, क्योंकि वह इसे मनमाना थोपा हुआ मानता था। इस दुर्गम भूभाग से होकर गुजरने वाली करीब 2400 किलोमीटर लंबी यह रेखा लंबे समय से उग्रवादियों, नशीले पदार्थों और शरणार्थियों की तस्करी का मार्ग रही है, और दोनों पक्ष एक-दूसरे पर घुसपैठ का आरोप लगाते रहे हैं।

पाकिस्तान द्वारा हाल ही में की गई बाड़बंदी (जिसका 90% से अधिक काम 2025 के मध्य तक पूरा हो चुका था) ने झड़पों को जन्म दिया है, क्योंकि तालिबान के रक्षक इस्लामाबाद द्वारा क्षेत्रीय अतिक्रमण का दावा करते हुए बाड़ों को हटा रहे हैं।

डूरंड लाइन 132 साल पुराना विवाद

बता दें कि ब्रिटिश भारत और अफगानिस्तान के बीच डूरंड लाइन समझौता 1893 में हुआ था। डूरंड लाइन अफगानिस्तान के पख्तून समुदाय को दो देशों में बांटती है। अफगानिस्तान हमेशा से इसके विरोध में रहा है। उसने कभी इस डूरंड लाइन समझौता को मान्य नहीं किया। डूरंड लाइन की लंबाई 2430 किमी है, जो कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के कबायली क्षेत्र से गुजरती है। अफगानिस्तान की मौजूदा सरकार तालिबान इसे मानता नहीं है। साथ ही इस समझौते को खत्म करने की मांग उठाता रहा है।

बता दें कि डूरंड लाइन का नाम ब्रिटिश भारत के विदेश सचिव सर हेनरी मोर्टिमर डूरंड के नाम पर रखा गया था, जिन्होंने अफगानिस्तान के अमीर अब्दुर रहमान खान के साथ समझौता किया था। मालूम हो कि यह विवादित लाइन का पश्चिमी सिरा ईरानी सीमा से लगता है, जबकि पूर्वी सिरा चीन की सीमा से सटा है।

न्यूयॉर्क के मेयर ममदानी ने राष्ट्रपति ट्रंप से की मुलाकात, दिया नकली अखबार

वॉशिंगटन, एजेंसी। न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने गुरुवार को व्हाइट हाउस की यात्रा के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने ट्रंप को एक नकली अखबार का मुखपृष्ठ भेंट किया, ताकि शहर में बड़े पैमाने पर नए आवास निवेश पर चर्चा की जा सके।

यह रणनीति डोनाल्ड ट्रंप को लुभाने के लिए बनाई गई है, जो अपनी मीडिया कवरेज को लेकर काफी चौकन्ने रहते हैं। रिपब्लिकन राष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक मेयर के बीच पिछले साल हुई पहली मुलाकात के बाद से सौहार्दपूर्ण संबंध बने हुए हैं। जोहरान ममदानी की संचार निदेशक अन्ना बहर ने बताया कि मेयर की टीम ने ट्रंप को दिखाने के लिए एक नकली मुखपृष्ठ और सुर्खियां तैयार कीं। जिससे उन्हें पता

चले कि नए संघीय आवास निवेश से किस तरह की प्रतिक्रिया हो सकती है। नकली न्यूयॉर्क डेली न्यूज के मुखपृष्ठ पर लिखा है, 'ट्रंप ने शहर से कहा: चलो निर्माण करें।' यह 1975 के उस मशहूर मुखपृष्ठ का एक व्यंग्यात्मक रूप है, जिस पर लिखा था, 'फोर्ड ने शहर से कहा: मर जाओ।' जो जेराल्ड फोर्ड की ओर से शहर को वित्तीय सहायता पर रोक लगाने की कसम का संदर्भ था।

न्यूयॉर्क के मेयर ने ट्रंप के साथ अखबारों के पहले पन्नों वाली बैठक की तस्वीर अपने सोशल मीडिया पेज पर पोस्ट की। बहर ने कहा कि ट्रंप, ममदानी के प्रस्ताव को लेकर बेहद उत्साहित थे। इस प्रस्ताव के तहत क्वींस के सनसाइड यार्ड में रेल यार्ड के ऊपर एक डेक बनाने के लिए 21 अरब डॉलर से अधिक के संघीय अनुदान प्राप्त करके 12,000 नए किफायती घर बनाए जा सकेंगे।

निवेश से रोजगार पैदा करने की परियोजना :मेयर कार्यालय

मेयर कार्यालय का अनुमान है कि इस परियोजना से 30,000 नौकरियां पैदा हो सकती हैं और यह पिछले 50 वर्षों में आवास और बुनियादी ढांचे में किया गया सबसे बड़ा निवेश होगा। बहर ने बताया कि जब ट्रंप और ममदानी की आखिरी मुलाकात नवंबर में हुई थी, तब राष्ट्रपति ने ममदानी को न्यूयॉर्क शहर में मिलकर बड़ी-बड़ी चीजें बनाने के विचार के साथ उनके पास वापस आने के लिए प्रोत्साहित किया था।

‘डायरिया से डर नहीं’ कार्यक्रम की त्रैमासिक समीक्षा बैठक

» डायरिया से होने वाली मृत्यु दर को शून्य करना पहली प्राथमिकता: डॉ. अरुण कुमार

दरभंगा। जिला में शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से पूरी तरह सुरक्षित बनाने को लेकर चलाये जा रहे ‘डायरिया से डर नहीं’ कार्यक्रम की शुक्रवार को त्रैमासिक समीक्षा, प्रगति और आगामी कार्ययोजना पर विचार के लिए बैठक हुई। एक स्थानीय होटल में हुई बैठक की अध्यक्षता करते हुए सिविल सर्जन डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से चल रहे कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शून्य से पांच साल तक के बच्चों की डायरिया के कारण होने वाली मृत्यु दर को शून्य करना और दस्त प्रबंधन को बढ़ावा देना है। डायरिया से किसी भी बच्चे की मौत न होने पाए, इसके लिए समुदाय में जागरूकता पर जोर दिया जा रहा है। बैठक में विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

इस मौके पर सिविल सर्जन ने कहा कि मौसम में बदलाव के साथ ही बच्चों में डायरिया की सम्भावना बढ़ जाती है, इसलिए सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में ओआरएस और ज़िंक की उपलब्धता रखें। फ्रंट लाइन वर्कर को भी ओआरएस और ज़िंक उपलब्ध कराएं ताकि समुदाय स्तर पर उसका वितरण किया जा सके।

इस मौके पर जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. अमरेंद्र कुमार मिश्रा ने कहा कि समुदाय स्तर पर यह संदेश पहुंचाना जरूरी है कि टीकाकरण सारणी के अनुसार बच्चे को सारे टीके लगवाएं और रोटावायरस, विटामिन ए को लेना न भूलें। भोजन को ढककर रखें ताकि मक्खियाँ उस पर न बैठें। जिंक की खुराक को दस्त ठीक होने के बाद भी 14 दिनों तक जारी रखें। पीने के पानी को साफ़ रखें और पीने के पानी को निकालने के लिए डंडीदार लोटे का प्रयोग करें । छह माह से छोटे बच्चों को दस्त होने पर भी स्तनपान जारी रखें। डायरिया के दौरान ओआरएस से शरीर में पानी की कमी को रोकें।

पीएसआई इंडिया के संजय तरुण ने ‘डायरिया से डर नहीं’ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के 13 और बिहार के तीन जिलों में चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि डायरिया से किसी भी बच्चे की मौत न होने पाए, इसके लिए पीएसआई इंडिया अभी तक 2600 आशा, एएनएम और आंगनबाड़ी सेविका को प्रशिक्षित किया है। चिन्हित 70 स्थानों पर दीवार लेखन एवं सभी संस्थानों में पीएसआई इंडिया द्वारा विकसित प्रचार-प्रसार सामग्री उपलब्ध कराई गयी है। व्यवहार परिवर्तन संचार के तहत चिन्हित विद्यालयों ,आंगनबाड़ी केन्द्रों पर विभिन्न विभागों के साथ गतिविधियां जैसे क्विज, पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गयी हैं।

बैठक में संचारी रोग अधिकारी डॉ. सतेंद्र कुमार मिश्रा, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. अमरेंद्र कुमार मिश्रा, बसंत कुमार झा, रवि कुमार, डेवेलपमेंट पार्टनर सहित 18 प्रखंडों एवं छह शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों ने भाग लिया।

पंचायती राज ऑफिस में रोज सुबह-शाम राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत... राजस्थान में मंत्री का फरमान

नई दिल्ली, एजेंसी। मंत्री मदन दिलावर ने राजस्थान में कई तरह के बदलाव के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राजस्थान के सभी पंचायती राज ऑफिस में हर सुबह राष्ट्रगान गाया जाएगा और ऑफिस टाइम खत्म होने पर भी राष्ट्रगान गाया जाएगा। पंचायती राज मंत्री ने कहा कि सभी मिनिस्ट्री ऑफिस में सिर्फ भारत में बने प्रोडक्ट्स का ही इस्तेमाल होगा। उन्होंने कहा कि अगर विदेश में बनी चीजें इस्तेमाल होती पाई जाती हैं, तो उसका खर्च संबंधित अधिकारी से वसूला जाएगा। उन्होंने कहा कि छूट सिर्फ बहुत जरूरी हालात में ही दी जाएगी।

गुरुवार रात विधानसभा में पंचायती राज डिपार्टमेंट की ग्रांट की मांगों पर बहस का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार गांवों को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर गवर्नेंस को बेहतर बनाने के अपने वादे के साथ आगे बढ़ रही है। चर्चा के बाद, सदन ने डिपार्टमेंट की ग्रांट मांगों को वॉयस वोट से पास कर दिया।

मंत्री दिलावर ने कहा कि डिपार्टमेंट के अधिकारी महीने में कम से कम चार बार गांवों में ‘रात्रि चौपाल’ लगाने और रात में रुकने के लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जो अधिकारी गांवों का दौरा नहीं करेंगे, उनकी ऑफिशियल गाड़ियां वापस ले ली जाएंगी और उन्हें व्हीकल पूल में जमा कर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारियों को अब मॉनिटरिंग बेहतर करने के लिए अपने तय अधिकार क्षेत्र से बाहर के इलाकों का इंस्पेक्शन करने की इजाज़त होगी। मंत्री दिलावर ने कहा कि 20 हेक्टेयर जमीन पर मवेशियों के लिए शेल्टर बनाए जाएंगे, साथ ही तालाब और पेड़-पौधे लगाए जाएंगे, इसकी अनुमानित लागत 400 करोड़ रुपये की होगी। ड्रोन सर्वे के आधार पर गांव के रिहायशी इलाकों में मंदिरों के नाम पर ‘पट्टे’ (जमीन के टाइटल) जारी किए जाएंगे। मंत्री दिलावर ने कहा कि इससे पानी-बिजली कनेक्शन और जमीन के मालिकाना हक के झगड़ों को सुलझाने में मदद मिलेगी। मंत्री ने कहा कि राज्य के सभी गांवों में स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी और तालाबों सहित अतिक्रमण हटाने के लिए एक खास मुहिम चलाई जाएगी। उन्होंने सदन को बताया कि ट्रांसपेरेंसी बढ़ाने के लिए गांव के विकास की योजनाओं और कंस्ट्रक्शन के कामों को एक पोर्टल पर अपलोड किया जा रहा है।

‘मीट बेचने के लिए लाइसेंस होगा जरूरी’

मंत्री ने कहा कि नगर निगम के नियमों की तरह, अब ग्राम पंचायतों में मीट बेचने के लिए लाइसेंस जरूरी होगा। उन्होंने कहा कि सिर्फ़ वैलिड हेल्थ सर्टिफिकेट वाली कमर्शियल दुकानों में ही बिक्री की इजाज़त होगी और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। क्लर्क भर्ती-2013 पर चिंता जताते हुए मंत्री दिलावर ने कहा कि नकली एक्सपीरियंस सर्टिफिकेट और मार्कशीट में हेरफेर जैसी गंभीर गड़बड़ियां सामने आई हैं और उन्होंने कहा कि मामले को जांच के लिए SOG को भेजा जाएगा।

अभिनेत्री सम्युक्ता का सबसे दमदार रूप: स्वयंभू के टीज़र में वॉरियर अवतार ने मचाया तहलका

टीज़र में वो एक निडर और बेखौफ योद्धा के रूप में दिखती हैं, जो जेंडर की तय सीमाओं को चुनौती देते हुए तीखे एक्शन सीक्वेंस में कमान अपने हाथ में लेती है।

अपनी पिछली फिल्मों की कामयाबी पर सवार सम्युक्ता ने स्वयंभू के टीज़र में ऐसा पावरफुल इम्पैक्ट छोड़ा है कि नज़र हटाना मुश्किल हो जाए। इस बार वो नज़र आती हैं एक भयंकर योद्धा के रूप में, जो अफरातफरी को चीरते हुए पूरे कॉन्फिडेंस और इंटेंसिटी के साथ आगे बढ़ती है। गूंथी हुई चोटी, युद्ध के लिए तैयार तेवर, और रफ-टफ योद्धा वेशभूषा में सम्युक्ता कच्ची ताकत और अटूट इरादे का प्रदर्शन करती दिखती हैं। उनका किरदार शब्दों से नहीं, एक्शन से बोलता है और हर फ्रेम ये इशारा देता है कि वो अपने करियर के सबसे साहसी क्रिएटिव फेज़ में कदम रख चुकी हैं। ये भूमिका इसलिए भी खास लगती है क्योंकि इससे पहले उनका परफॉर्मेंस ट्रैक रिकॉर्ड बेहद मजबूत रहा है। भीमला नायक में उन्होंने अपनी दमदार मौजूदगी से सबको प्रभावित किया, बिम्बिसार में पौराणिक दुनिया को एक्सप्लोर किया, विरुपाक्ष में थ्रिल का तड़का लगाया और सर में जमीन से जुड़ा अभिनय पेश किया। अब स्वयंभू में ऐसा लगता है जैसे इन सभी अनुभवों का संगम दिख रहा हो और सम्युक्ता खुद का और भी ताकतवर संस्करण बनकर सामने आई हों।

टीज़र में वो एक निडर और बेखौफ योद्धा के रूप में दिखती हैं, जो जेंडर की तय सीमाओं को चुनौती देते हुए तीखे एक्शन सीक्वेंस में कमान अपने हाथ में लेती है। कभी धनुष-बाण साधती हुई, तो कभी तलवार लहराती हुई — हर सीन इस बात का सबूत है कि इस किरदार के लिए उन्होंने जबरदस्त शारीरिक ट्रेनिंग और तैयारी की है।

सम्युक्ता कहती हैं, स्वयंभू मेरे दिल के बेहद करीब है क्योंकि मैंने हमेशा ऐसे किरदार चुने हैं जो मुझे मेरे कम्फर्ट ज़ोन से बाहर ले जाएं। इस भूमिका ने मुझे शारीरिक और मानसिक, दोनों स्तर पर ऐसी चुनौती दी जैसा पहले कभी महसूस नहीं किया। एक गांव की महिला की आत्मा और शक्ति को समझने से लेकर घुड़सवारी और तीरंदाजी की कड़ी ट्रेनिंग तक, ये सफर बेहद गहन और परिवर्तनकारी रहा। इस किरदार में वो सब कुछ है जिसका एक अभिनेता सपना देखता है — ताकत, संवेदनशीलता और एक मजबूत आवाज़।

इस उग्र योद्धा रूप में ढलना मेरे करियर के सबसे संतोषजनक अनुभवों में से एक रहा है। स्वयंभू के अलावा भी सम्युक्ता के पास कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स लाइनअप में हैं, जहां वो अपनी बढ़ती रेंज दिखाती नजर आएंगी। जल्द ही वो ब्लैक गोल्ड में एक सशक्त पुलिस अधिकारी के रूप में फिल्म को लीड करेंगी और साथ ही पुरी जगन्नाध की स्लम डॉग में विजय सेतुपति और तब्बू के साथ स्क्रीन साझा करती दिखाई देंगी।

सरगुन मेहता ने प्रेग्नेंसी की खबरों पर लगाया विराम, अफवाह उड़ाने वालों की लगाई क्लास

सोशल मीडिया पर अक्सर सेलेब्रिटीज की निजी जिंदगी को लेकर बिना आधार की अफवाहें फैल जाती हैं, जो कि उनकी निजी जिंदगी को परेशान करने लगी हैं। ऐसा ही कुछ कई समय से टीवी-पंजाबी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री सरगुन मेहता और उनके पति रवि दुबे के साथ हो रहा था। दरअसल, पिछले काफी समय से सोशल मीडिया पर लगातार यह खबरें फैल रही थीं कि सरगुन मेहता प्रेग्नेंट हैं। इन अफवाहों की वजह से फैंस में काफी उत्साह था, लेकिन कपल की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई। अभिनेत्री सरगुन ने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए इस मामले पर विराम लगा दिया है। उन्होंने एक नोट शेयर किया, जिसमें अभिनेत्री ने खंडन करते हुए लिखा, अफवाह फैलाने वालों को तो पिछले 2 साल से मेरी प्रेग्नेंसी के बारे में मुझसे पहले ही सब पता चल जाता है। उनके अनुसार मैं पिछले 2 साल से प्रेग्नेंट हूं। भला, इतनी लंबी प्रेग्नेंसी किसी की होती भी है क्या?

अभिनत्री ने आगे लिखा, प्लीज शांत रहें और बिना किसी आधार की खबरें फैलाना बंद करें। कोई भी खबर फैलाने से पहले हमसे या हमारी टीम से एक बार पूछ लेना ज्यादा मुश्किल नहीं है, ताकि सही जानकारी सामने आ सके। अभिनेत्री सरगुन मेहता ने नोट शेयर कर लिखा, आपको ऐसी प्रेग्नेंसी के बारे में कैसे पता चल गया, जिसके बारे में मुझे और रवि को ही कोई जानकारी नहीं है? प्लीज ऐसी अफवाहें फैलाना बंद करें।

अभिनेत्री के पोस्ट शेयर करने के बाद कई यूजर्स और दोस्तों ने प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री गौहर खान ने कमेंट बॉक्स में हाथ जोड़ते हुए प्रतिक्रिया दी, तो सरगुन के पति रवि दुबे ने लिखा, क्या कैप्शन है।

सेलेब्स को अपनी निजी जिंदगी को लेकर बार-बार ऐसे झूठे दावों का सामना करना पड़ता है। इससे पहले कई सेलेब्स इस तरह की झूठी अफवाहों का सामना कर चुके हैं। अभिनेत्री रीम शेख की भी शादी की खबरें उड़ी थीं। दरअसल, लाफ्टर ज्वाइन करने से पहले उनका नाम कंटेंट क्रिएटर कृष गुप्ता के साथ जुड़ा था।

द पैराडाइज़ का गाना आया शेर रिलीज़, अनिरुद्ध की दमदार धुन ने नानी के मास अवतार को और भी बेहतर बना दिया

द पैराडाइज़ के मेकर्स ने फैंस के लिए एक बड़ा तोहफ़ा दिया है, जिसका बहुत इंतज़ार था, आया शेर गाना पूरी तरह रिलीज़ हो गया है, और यह तुरंत सोशल मीडिया पर छा गया है। इस हाई-एनर्जी ट्रैक में नानी को बिल्कुल नए, रफ एंड टफ अवतार में दिखाया गया है, जो फिल्म के 1960 के दशक के गैंगस्टर बैकग्राउंड से पूरी तरह मेल खाता है। पहली बीट से ही, यह गाना एक ज़बरदस्त मास मूड बनाता है और किरदार जदल को एक मज़बूत ऊंचाई देता है। कैची हुक लाइन और रॉ लिरिक्स सीटी बजाने लायक वाइब को और बढ़ाते हैं, जिससे यह साफ़ हो जाता है कि यह गाना बड़े पर्दे और उन फैंस के लिए बनाया गया है जो बड़े-से-बड़े पलों का आनंद लेते हैं।

अनिरुद्ध रविचंदर का बनाया यह गाना अपबीट बीट्स से भरा है और इसमें एक ज़बरदस्त बैकग्राउंड स्कोर भी है जो मूड सेट करता है। गाने में नानी के पावर-पैक्ड डांस मूव्स, किलर बॉडी एक्सप्रेशन और मास मेकओवर आपके रोंगटे खड़े कर देंगे। गाने में सुंदर की मास कोरियोग्राफी भी है, जिसमें कुछ बदलते पैटर्न और पावर-पैक्ड मूव्स हैं जो कैरेक्टर के उदय और बिल्ड-अप को दिखाते हैं। यह गाना मज़बूत लीड के लिए एक कैरेक्टर इंट्रोडक्शन का काम करता है और न केवल एक कैच वाला गाना लगता है।

मेकर्स ने इस गाने को रामोजी फिल्म सिटी में सैकड़ों डांसर्स और एक बड़े सेट के साथ बड़े लेवल पर बनाया, जो उस ज़माने का माहौल बनाता है। हर फ्रेम फिल्म के स्केल और द पैराडाइज़ की दुनिया को डिजाइन करने में की गई मेहनत को दिखाता है। नानी की वॉरियर जैसी स्टाइलिंग और रॉ स्क्रीन प्रेजेंस उनके पहले के रोल्स से एक साफ बदलाव दिखाते हैं, जो उन्हें ज़्यादा इंटेंस और मैसी ज़ोन में दिखाते हैं। विजुअल्स, कॉस्ट्यूम्स और लाइटिंग मिलकर गाने को फैंस के लिए एक असली फेस्टिवल जैसा फील देते हैं।

श्रीकांत ओडेला के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में दशहरा की सफल जोड़ी फिर से साथ आ रही है, जिससे उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। इस प्रोजेक्ट में मोहन बाबू भी एक अहम रोल में हैं। अब इसकी रिलीज़ 21 अगस्त तक बढ़ा दी गई है, और फिल्म एक ग्रैंड मल्टीलिंगुअल लॉन्च के लिए तैयार है। आया शेर को मिले ज़बरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, द पैराडाइज़ को लेकर हाइप एक नए लेवल पर पहुँच गई है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com